श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 106

भिलाई, सोमवार 31 जनवरी 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

किराये से देना है

15x20 डबल स्टोरी
दुकान किराये से देना है।

संपर्क :- 99933-16015
किराया - 8000 से 10000 मात्र

हाइवे पेट्रोल पंप के सामने
दुर्गा मंदिर के बाजू में
जनता मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

खास-खबर

गुरुग्राम नमाज मुद्दा: सुप्रीम कोर्ट अधिकारियों के खिलाफ अवमानना याचिका सूचीबद्ध करने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट गुरुग्राम नमाज मामले में हरियाणा के अधिकारियों के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के लिए सहमत हो गई है। यह याचिका पूर्व राज्यसभा सदस्य मोहम्मद अदीब ने दायर की है। इसमें मांग की गई है कि गुरुग्राम में जुमे की नमाज की घटनाओं को रोकने में विफल रहने पर हरियाणा के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की जाए। अदीब की ओर से वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया। इसके बाद जस्टिस रमण उपयुक्त पीठ के समक्ष याचिका सूचीबद्ध करने के लिए सहमत हो गए। जयसिंह ने कहा कि यह केवल अखबारों की खबरों पर आधारित नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमने खुद शिकायत दर्ज की है। हम प्राथमिकी को लागू करने के लिए नहीं कह रहे हैं। इस अदालत ने निवारक उपाय निर्धारित किए हैं।' इस पर पीठ ने कहा, 'हम इस पर गौर करेंगे और तत्काल उचित पीठ के समक्ष पेश करेंगे। हरियाणा सरकार ने दिसंबर, 2021 में स्थानीय निवासियों के विरोध के बाद गुरुग्राम के सार्वजनिक पार्कों में शुक्रवार की नमाज पर प्रतिबंध लगा दिया है।

चरणजीत चन्नी ही होंगे सीएम पद के उम्मीदवार, आज लग सकता है नाम पर मुहर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे के लिए चल रहा विवाद लगभग समाप्त हो गया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने पार्टी के शक्ति एप पर कार्यकर्ताओं की राय मांगी थी, जिसमें मौजूदा सीएम चरणजीत चन्नी सबसे आगे चल रहे हैं। अब हाईकमान ने भी चन्नी को ही कांग्रेस का सीएम उम्मीदवार घोषित करने की तैयारी कर ली है। आज इसकी आधिकारिक पुष्टि की जा सकती है। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे के एलान का फैसला होते ही दावेदारों ने ताल ठोंकनी शुरू कर दी थी। पंजाब प्रदेश कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू और मौजूदा मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की प्रबल दावेदारी के बीच बीते 72 घंटे में ही दो और वरिष्ठ नेताओं ने खुद को मुख्यमंत्री पद के तौर पर पेश किया है। ये नाम हैं उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और सांसद प्रताप सिंह बाजवा।

बजट सत्र: राष्ट्रपति ने अभिभाषण में गिनाए सरकार के काम, कहा-

भारत हर चुनौती का सामना करने में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। इस सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण से हुई। संसद में राष्ट्रपति का संबोधन युवाओं और डिजिटल इंडिया पर केंद्रित रहा। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा स्टार्ट-अप ईको-सिस्टम, हमारे युवाओं के नेतृत्व में तेजी से आकार ले रही अनंत नई संभावनाओं का उदाहरण है। डिजिटल इंडिया और डिजिटल इकॉनमी के बढ़ते प्रसार के संदर्भ में देश के यूपीआई प्लेटफार्म की सफलता के लिए मैं सरकार के विज़न की प्रशंसा करूंगा। दिसंबर, 2021 में देश में आठ लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का लेन-देन यूपीआई के माध्यम से हुआ है।

विश्व की सर्वाधिक तेजी से विकसित होने वाली अर्थव्यवस्था

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार के निरंतर प्रयासों से भारत एक बार फिर विश्व की सर्वाधिक तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। सरकार की नीतियों की वजह से आज भारत उन देशों में है जहां इंटरनेट की कीमत सबसे कम है। यहां स्मार्ट फोन की कीमत भी सबसे कम है। इसका बहुत बड़ा लाभ भारत की नौजवान पीढ़ी को मिल रहा है। आज भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता बनकर उभरा है।

कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम भारत के सामर्थ्य का प्रमाण

राष्ट्रपति ने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत के सामर्थ्य का प्रमाण कोविड वैक्सीनेशन प्रोग्राम में नजर आया है। हमने एक साल से भी कम समय में 150 करोड़ से भी ज्यादा वैक्सीन डोज़ लगाने का रिकॉर्ड पार किया। आज देश में 90 प्रतिशत से अधिक वयस्क नागरिकों को टीके की एक डोज़ मिल चुकी है, जबकि 70 प्रतिशत से अधिक लोग दोनों डोज़ ले चुके हैं। भारत में बन रही वैक्सीन पूरी दुनिया को महामारी से मुक्त कराने और करोड़ों लोगों का जीवन बचाने में अहम भूमिका निभा रही है।

तीन तलाक जैसी कुप्रथा को खत्म किया

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने तीन तलाक को कानूनन अपराध घोषित कर समाज को इस कुप्रथा से मुक्त करने की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण सरकार की उच्च प्राथमिकताओं में से एक है। बेटे-बेटी को समानता का दर्जा देते हुए सरकार ने महिलाओं के विवाह के लिए न्यूनतम आयु को 18 वर्ष से बढ़ाकर पुरूषों के समान 21 वर्ष करने का विधेयक भी संसद में प्रस्तुत किया है।

2047 के लिए करनी है कड़ी मेहनत

वर्ष 2047 में देश अपनी आज़ादी की शताब्दी पूरी करेगा। उस समय के भव्य, आधुनिक और विकसित भारत के लिए हमें आज कड़ी मेहनत करनी होगी। हमें अपने परिश्रम को पराकाष्ठा तक लेकर जाना है और यह सुनिश्चित करना है कि अंतत: इसके लाभकारी परिणाम निकलें। इसमें हम सबकी भागीदारी है और समान भागीदारी है। आज देश की उपलब्धियां और सफलताएँ देश के सामर्थ्य और संभावनाओं के समान ही असीम हैं। ये उपलब्धियां किसी एक संस्था या प्रतिष्ठान की नहीं हैं, बल्कि देश के कोटि-कोटि नागरिकों की हैं। इनमें करोड़ों देशवासियों का श्रम और पसीना लगा है।

डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि सरकार देश की सुरक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित होकर काम कर रही है। सरकार की नीतियों की वजह से डिफेंस सेक्टर में विशेषकर रक्षा उत्पादन में देश की आत्म-निर्भरता लगातार बढ़ रही है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 83 एलसीए तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट के निर्माण हेतु अनुबंध किए गए हैं। सरकार ने ऑर्डिनेन्स फैक्ट्रियों को सात डिफेंस पीएसयूएस का रूप देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हमारा लक्ष्य है कि हमारी सेनाओं की जरूरत का सामान भारत में ही विकसित हो तथा भारत में ही निर्मित हो।

पीएम मोदी की सांसदों से अपील- चुनाव आते-जाते रहेंगे, इस सत्र को बनाएं फलदायी

संसद का बजट सत्र आज से शुरू हो गया। इससे पहले पीएम मोदी ने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने सांसदों से अपील की कि वे बजट सत्र को फलदायी बनाएं। पीएम ने कहा कि हम सब इस सत्र को जितना अधिक फलदायी बनाएंगे, उतना ही देश को आर्थिक ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए शेष वर्ग के लिए बेहतर अवसर होगा। पीएम मोदी ने कहा कि यह सच है कि चुनाव, सत्रों और चर्चाओं को प्रभावित करते हैं, लेकिन मैं सभी सांसदों से अनुरोध करता हूं कि चुनाव चलेंगे, आते-जाते रहेंगे, लेकिन बजट सत्र साल का खाका खींच लेता है। इसलिए इसे फलदायी बनाएं। पीएम ने कहा कि बजट सत्र आज से शुरू हो रहा है। मैं इस सत्र में सभी सांसदों का स्वागत करता हूं। आज की वैश्विक स्थिति में भारत के लिए बहुत सारे अवसर हैं। यह सत्र देश की आर्थिक प्रगति, टीकाकरण कार्यक्रम, मेड इन इंडिया वैक्सीन के बारे में दुनिया में विश्वास जगाता है।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 को पेश किया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 को पेश किया। इसी के साथ हंगामा के चलते लोकसभा की कार्यवाही कल सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई एक लाख 40 हजार

अभिभाषण के दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर-विकास के कार्यों को और अधिक गति प्रदान करने के लिए अलग-अलग मंत्रालयों के कामकाज को प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के रूप में एक साथ जोड़ा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों, संसाधनों और इनफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से देश की उन संभावनाओं को उड़ान मिल रही है जो दशकों से उपेक्षित पड़ी थीं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की उपलब्धियां गर्व करने योग्य हैं। मार्च 2014 में हमारे देश में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 90 हजार किलोमीटर थी, जबकि आज उनकी लंबाई बढ़कर एक लाख चालीस हजार किलोमीटर से अधिक हो गई है।

अमूल्य धरोहरों को भारत में लाया जा रहा वापस

सरकार भारत की प्राचीन विरासत को संरक्षित, समृद्ध और सशक्त करना अपना दायित्व समझती है। सरकार की यह भी प्राथमिकता रही है कि भारत की अमूल्य धरोहरों को देश में वापस लाया जाए। सौ वर्ष पूर्व भारत से चोरी हुई मां अन्नपूर्णा देवी की मूर्ति को वापस लाकर काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थापित किया गया है।

निजी गौशाला में दर्जनों गायों की मौत, मजिस्ट्रेट जांच शुरू

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल की बैरसिया तहसील में एक गौशाला में दर्जनों गायों की मौत हो गई। इनका सही तौर पर अंतिम संस्कार नहीं किया गया जिससे क्षेत्र में बदबू फैली और हड़कंप मच गया। जिला प्रशासन ने गौशाला संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

बैरसिया तहसील में गौ सेवा भारती गौशाला है। इसकी संचालक निर्मला शांडिल्य थीं। गौशाला की दर्जनों गायों की मौत हो गई। इनके शव बसई तालाब किनारे और उसके आसपास के क्षेत्र में पड़े पाए गए। मृत गायों के शवों को सही तरीके से अंतिम संस्कार करने की बजाय उनके मृत शरीर पूरे क्षेत्र में पड़े रहे। इससे क्षेत्र में मृत शरीर सड़ने लगे तो आसपास के क्षेत्र में बदबू फैली और मृत गायों की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। क्षेत्र के प्रबुद्धजन और राजनीति से जुड़े लोग भी वहां पहुंचे तो उन्हें लोगों ने समस्या के बारे में बताया।

चूने का पानी पिलाकर मारे जाने के आरोप

बैरसिया के घटनास्थल के आसपास रहने वाले लोगों ने आरोप लगाया है कि गायों को चूने का पानी पिलाकर मारा है। इन आरोपों के साथ सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल भी हुए हैं। कांग्रेस नेताओं ने इसको लेकर शिवराज सरकार को घेरा है। वहीं, हिंदू संगठनों ने भी इसको लेकर शासन व प्रशासन पर आरोप लगाए हैं।

40 बिल्डरों की संपत्ति होगी नीलाम बकाया वसूली के लिए प्रक्रिया शुरू

नोएडा (एजेंसी)। गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन ने शासन से हरी झंडी मिलने के बाद 40 बकायेदार बिल्डरों की करीब 500 करोड़ की संपत्ति की ई-नीलामी करने के लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण को पत्र भेज दिया है। तीनों प्राधिकरण अपने क्षेत्रों में बिल्डरों की इन संपत्तियों की ई-नीलामी कर उनसे बकाये की वसूली करेंगे।

जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि ई-नीलामी के प्रस्ताव को कैबिनेट में हरी झंडी मिलने के बाद अब शासन से इसके संबंध में अन्य निर्देश भी उन्हें मिल गए हैं। इसके बाद उन्होंने तीनों प्राधिकरणों के अधिकारियों को पत्र लिखकर कहा है कि वह इन 40 बकायेदार बिल्डरों की जब्त संपत्ति की ई-नीलामी कराकर बकाये की वसूली करें। जिस प्राधिकरण के क्षेत्र में जिस बिल्डर की जो संपत्ति होगी उसकी नीलामी संबंधित प्राधिकरण करेगा और उससे मिलने वाली रकम को जमा कराया जाएगा।

सुपरटेक सबसे बड़ा बकायेदार

इस नीलामी में सबसे बड़ा झटका सुपरटेक ग्रुप को लगेगा। एक अरब 24 करोड़ से अधिक के बकायेदार सुपरटेक ग्रुप की 69 विला और सेक्टर 61 में स्थित शॉप्रिक्स मॉल की 35 दुकानें जिला प्रशासन जब्त कर चुका है।

एडीएम फाइनेंस वंदिता श्रीवास्तव ने बताया कि ई-नीलामी में इन विला और दुकानों के साथ ही अन्य 40 बिल्डरों की जब्त संपत्ति को भी लगाया जाएगा। यह प्रदेश में पहली बार होगा जब बकायेदार बिल्डरों की जब्त संपत्ति की ई-नीलामी कराकर बकाये की वसूली की जाएगी।

नाबालिग लड़के ने फुटपाथ पर बैठे लोगों पर चढ़ाई कार, चार महिलाओं की मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। कानपुर में ई-बस हादसे के बाद अब तेलंगाना के करीम नगर जिले में एक हृदय विदारक हादसे की खबर मिली है। एक नाबालिग लड़के ने अंधाधुंध गति से कार दौड़ाते हुए फुटपाथ पर बैठे लोगों पर चढ़ा दी। कार की चपेट में आने से चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि कार में तीन नाबालिग सवार थे। कार चला रहा नाबालिग वाहन से नियंत्रण खो बैठा था। इसके कारण कार फुटपाथ पर बैठे लोगों पर चढ़ गई। हादसे में चार लोगों की जान चली गई और कुछ अन्य घायल हो गए। करीमनगर के पुलिस आयुक्त वी. सत्यनारायण के अनुसार कार में सवार नाबालिगों पर भादंवि की धारा 304 के तहत केस दर्ज किया गया है। दुर्घटना की पुलिस जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार कार चालक समेत सभी आरोपी नाबालिगों को हिरासत में ले लिया गया है। मामले पर सख्ती बरतते हुए पुलिस नाबालिग लड़के के पिता और कार में सवार तीनों नाबालिगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

किसानों का आज विश्वासघात दिवस: केंद्र पर वादे पूरे नहीं करने और धोखा देने का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सोमवार को किसान विश्वासघात दिवस मनाएंगे। उनका आरोप है कि केंद्र ने समझौते के बाद लिखित वादों को पूरा नहीं किया। इसलिए किसान आंदोलन से जुड़े संगठन प्रदर्शन कर केंद्र का ध्यान आकृष्ट करेंगे। किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल से ज्यादा लंबा आंदोलन चलाया था। विवादित कानूनों की वापसी व सरकार के साथ समझौते के बाद आंदोलन खत्म हुआ था।

विश्वासघात दिवस मनाने का फैसला संयुक्त किसान मोर्चा की 15 जनवरी को आयोजित बैठक में लिया गया था। संयुक्त किसान मोर्चे ने देशभर में किसानों से कहा है वे 31 जनवरी को विश्वासघात दिवस मनाकर केंद्र सरकार तक अपनी नाराजगी पहुंचाएं।

छत्तीसगढ़ किसान मजदूर महासंघ के संयोजक मंडल के सदस्य तेजराम विद्रोही ने कहा कि केंद्र ने नौ दिसंबर के अपने पत्र में किया कोई वादा पूरा नहीं किया। आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमों को तत्काल वापस लेने और मृत किसानों के परिवारों को मुआवजा देने के वादे पर पिछले दो सप्ताह में कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने के मुद्दे पर भी सरकार ने कमेटी के गठन की कोई घोषणा नहीं की। विद्रोही ने कहा कि सोमवार को देश भर में प्रदर्शन किया जाएगा।

रायपुर में पीएम के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

रायपुर में किसान कलेक्टोरेट के समीप डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के पास एकत्रित होंगे और प्रदर्शन के बाद कलेक्टर को पीएम नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रदर्शन में कई किसान संगठन शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़ में कम हो रहे कोरोना केस मिले 2373 नए मामले, 10 की गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना का संक्रमण अब धीरे-धीरे कम हो रहा है। तीसरी लहर का पीक गुजर गया ऐसा लग रहा है। रविवार को प्रदेश में 2,373 नए केस मिले हैं, जिसमें रायपुर में सबसे ज्यादा 374 संक्रमितों की पुष्टि हुई है। वहीं कोरोना से प्रदेश में 10 लोगों की जान भी चली गई। कोरोना से मौत के आंकड़े अब भी डरा रहे हैं। रायपुर, दुर्ग, धमतरी व रायगढ़ में सबसे ज्यादा केस मिले हैं। प्रदेश में अभी 25,734 सक्रिय मरीज हैं। छत्तीसगढ़ में इस महामारी से अब तक 13,834 लोगों की जान जा चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग के राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार को प्रदेश में 2,373 नए केस मिले हैं, जिसमें सबसे ज्यादा रायपुर में 374 नए संक्रमित मिले हैं। इसके बाद दुर्ग में 307, धमतरी में 213, रायगढ़ में 159, मुंगेली में 135, बलरामपुर में 113, कांकेर में 111, राजनांदगांव 102, बिलासपुर 101, कोरबा में 87, कोंडागांव में 81, जांजगीर-चांपा में 80, सरगुजा में 66, कबीरधाम में 62, बस्तर में 61, महासमुंद में 54 नए केस मिले हैं। प्रदेश के 12 जिलों में 1 से 50 व 7 जिलों मे 50 से 100 के बीच मरीज मिले हैं। प्रदेश में अब कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 25,734 हो गई है।

दुर्ग में 4 व रायपुर में 2 लोगों की मौत

रविवार को 25 हजार 969 सैंपलों की जांच की गई। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 8.62 प्रतिशत से बढ़कर 9.14 प्रतिशत हो गई है। कोरोना संक्रमण से दुर्ग में 4, रायपुर में 2, राजनांदगांव, कोरबा, सूरजपुर व कांकेर में 1-1 की मौत हुई है। 25 जनवरी को 24 घंटे में सर्वाधिक 23 लोगों की मौत हुई थी, जो तीसरी लहर की सबसे बड़ी संख्या थी। हॉस्पिटल से 98 लोग डिस्चार्ज हुए तो वहीं 1,646 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। राज्य नोडिल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने कहा कि कोरोना का संक्रमण कम हुआ है। यह टीकाकरण का असर हो सकता है कि अचानक तेज संक्रमण के बाद भी दूसरी लहर जैसी स्थिति नहीं बनी।

बढ़ने लगा मौतों का आंकड़ा: एक सप्ताह में 5200 लोगों को लील गया कोरोना

देश में लगातार बढ़ती कोरोना मृतकों की संख्या ने लोगों को एक बार फिर से डराना शुरू कर दिया है। स्वास्थ मंत्रालय के सोमवार के आंकडे के अनुसार बीते 24 घंटे में 2 लाख 9 हजार 918 लोग संक्रमित हो गए हैं जबकि 959 लोगों की मौत हो गई है। इस दौरान 2 लाख 62 हजार 628(2,62,628) लोग स्वस्थ भी हुए। सक्रिय मामलों की बात करें तो यह अभी भी 18 लाख के पार है यानी कि देश में कुल 18 लाख 31 हजार 268 लोग (18,31,268) अब भी संक्रमित हैं। वहीं सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि कोरोना मृतकों की संख्या में लगातार इजाफ हो रहा है।

पिछले एक सप्ताह में कोरोना से 5200 लोगों की गई जान

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बीते एक सप्ताह 5200 लोगों की जान चली गई है। ये आंकड़े देखें तो ऐसा लग रहा है कि कोरोना अपने पुराने रूप में आने लगा है। अब लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या पिछले साल की तरह यह वायरस कहीं मौत का तांडव तो नहीं मचाएगा।

संपादकीय

कितने बूस्टर

यह धारणा शायद बीते वर्ष में ही रह गई कि कोविड-19 से सुरक्षा में तीसरी खुराक (बूस्टर डोज) बहुत प्रभावी होगी। खासकर ओमीक्रोन के बाद तो कुछ देश चौथी खुराक भी देने लगे हैं। क्या पांचवीं, छठी व उसके बाद भी खुराक की जरूरत पड़ेगी? एक के बाद एक खुराक ली जाए, क्या यह व्यावहारिक है? क्या ये टीके बार-बार देने के लिए बनाए गए हैं? ज्यादातर वैज्ञानिक मानते हैं कि बार-बार टीके देने की यह रणनीति व्यावहारिक नहीं है। इंपीरियल कॉलेज, लंदन के प्रतिरक्षा विज्ञानी डैनी ऑल्टमैन का कहना है कि 'हम टीकाकरण के मोर्चे पर पूरी तरह से अनजान क्षेत्र में हैं। हम एक आपातकालीन उपाय के रूप में लगातार एमआरएनए बूस्टर के वास्तविक कार्यक्रम में झटके खा चुके हैं। यह वास्तव में आगे का रास्ता नहीं लगता है।' इजरायल के क्लैलिट हेल्थ इंस्टीट्यूट के सार्वजनिक स्वास्थ्य चिकित्सक रैन बालिसर कहते हैं, जनवरी की शुरुआत में इजरायल ने वृद्धों, कमजोर लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों को चौथी खुराक देने की शुरुआत कर दी है। इस हफ्ते आए इजरायल के प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि चौथी खुराक संक्रमण और गंभीर बीमारी के जोखिम को कम करती है। हालांकि, आने वाले दिनों में जब और आंकड़े आएंगे, तब स्थिति ज्यादा स्पष्ट होगी।

> क्या हम ऐसी कोई एक वैक्सीन खोज पाएंगे? कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी सांताक्रूज में रोग पारिस्थितिकीविद् मॉर्म किलपैट्रिक कहते हैं, 'वायरल विकास से निपटने के दौरान हमेशा अनिश्चितता होती है।' न्यूजीलैंड की ओटागो यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ पीटर मैकइंटायर का तर्क है कि जब तक हमारे पास नए टीके नहीं हैं, दूसरे उपायों और एंटीवायरल दवाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। बचाव के उपायों में ढील की अभी गुंजाइश नहीं है।

बूस्टर डोज को लेकर शोधकर्ताओं में बहस तेज हो गई है। कोविड-19 का हमला और उसके नए-नए प्रकार का सामने आना, कुछ इतनी जल्दी में हो रहा है कि वैज्ञानिक साफ तौर पर कुछ बता नहीं पा रहे हैं। इलाज की राह में उन्हें जहां भी कुछ संभावना लग रही है, हाथ-पांव मार रहे हैं। संक्रमण को रोकना बड़ी चुनौती है और वायरस के नए-नए प्रकार लगातार तनाव बढ़ाए चले जा रहे हैं। एक बड़ा तनाव यह भी है कि दो खुराक ले चुके लोगों में भी संक्रमण क्यों देखा जा रहा है? क्या बूस्टर भी लंबे समय तक संक्रमण को रोकने में नाकाम हो रहे हैं? फिक्र इसलिए बढ़ जाती है, क्योंकि कोई भी वैज्ञानिक गारंटी देने की स्थिति में नहीं है। इजरायल में पिछले वर्ष जून व नवंबर के बीच जुटाए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि बूस्टर डोज के एक तिहाई मामलों में प्रतिरक्षा कुछ ही महीने में कम हो जा रही है। यह दुखद है, जब कई देशों में लोगों को पहली खुराक भी नहीं लगी है, तब इजरायल, चिली, कंबोडिया, डेनमार्क व स्वीडन जैसे देश चौथी खुराक पर पहुंच रहे हैं। चार खुराक से भी एंटीबॉडी का स्तर बढ़ता है या नहीं, यह देखा जाना बाकी है।

बोलिसर कहते हैं, 'अंतहीन बूस्टर खुराक देने के बजाय महामारी को धीमा करने का एक बेहतर तरीका नए टीकों को विकसित करना होगा। ऐसे टीके बनाने पड़ेंगे, जो लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान कर सकें। ओमीक्रोन-विशिष्ट टीकों पर पहला डाटा आगामी महीने में आने की उम्मीद है। हालांकि, अभी भी एक व्यापक कारगर टीके के लिए हमें इंतजार करना पड़ सकता है। क्या हम ऐसी कोई एक वैक्सीन खोज पाएंगे? कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी सांताक्रूज में रोग पारिस्थितिकीविद् मॉर्म किलपैट्रिक कहते हैं, 'वायरल विकास से निपटने के दौरान हमेशा अनिश्चितता होती है।' न्यूजीलैंड की ओटागो यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ पीटर मैकइंटायर का तर्क है कि जब तक हमारे पास नए टीके नहीं हैं, दूसरे उपायों और एंटीवायरल दवाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। बचाव के उपायों में ढील की अभी गुंजाइश नहीं है।

आईएएस अधिकारियों का सबसे अच्छा उपयोग तब किया जाएगा जब उन्हें विश्व स्तर पर या केंद्र सरकार में और राज्यों में कुशलता से काम करने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव के साथ एक विशिष्ट कोर के रूप में तैयार किया जाएगा और उनकी तैनाती की जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राज्य उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करें और उनके सर्वोत्तम योगदान के लिए उन्हें एक अनुकूल कार्य वातावरण प्रदान करें, केंद्र को राज्यों के साथ एक ऐसा दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जो परामर्श, सहिष्णुता और अभिभावक होने की भावना पर आधारित हो।

राघव चंद्र

भारतीय प्रशासनिक सेवा में सुधार की आवश्यकता

हमें आईएएस कैडर नियमों में सुधार को किस परिप्रेक्ष्य में देखना चाहिए? क्या स्थानीयता या उनके अखिल भारतीय स्वरूप को प्राथमिकता दी जानी चाहिए? क्या राज्यों में नियुक्त आईएएस अधिकारियों के करियर के सन्दर्भ में राज्य सरकारों को व्यापक अधिकारों का प्रयोग करने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या अधिकारियों को व्यक्तिगत तौर पर यह तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए कि वे कहाँ सेवा देना चाहते हैं?

ये प्रश्न आईएएस (कैडर) नियम, 1954 में प्रस्तावित संशोधनों के बारे में कुछ राज्यों द्वारा दी गयी तीखी प्रतिक्रिया के संदर्भ में प्रासंगिक हो जाते हैं। प्रस्तावित संशोधनों के तहत केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्त किए जाने वाले अधिकारियों से संबंधित निर्णय राज्य के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा लिया जाएगा। राज्य सरकार और केंद्र के बीच किसी भी तरह की असहमति की स्थिति में केंद्र सरकार का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

व्यापक स्तर पर, इस उलझन का सबसे अच्छा जवाब उन शब्दों में मिलता है, जो सत्तर साल पहले राजनेता-प्रशासक सरदार पटेल, जिन्हें सिविल सेवाओं के संरक्षक के रूप में जाना जाता था, ने नवनिर्मित स्टील फ्रेम से अपेक्षाओं के बारे में कहा था: आईसीएस और आईपी के उत्तराधिकारी, इन सेवाओं में मौजूदा व्यापक अंतराल को भरने के अलावा, देश की एकता और प्रशासनिक ढांचे को मज़बूत बनाने में योगदान देंगे एवं दक्षता तथा एकरूपता के उच्च स्तर का निर्माण करेंगे।

आईएएस अधिकारियों की भर्ती केंद्र सरकार द्वारा यूपीएससी के माध्यम से सावधानीपूर्वक की जाती है, लेकिन उनकी सेवाओं को विभिन्न राज्य सरकारों के अधीन रखा जाता है। हालांकि यह सेवा शर्तों का हिस्सा है कि वे राज्य और केंद्र दोनों के तहत अनिवार्य रूप से सेवा प्रदान करेंगे, लेकिन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए कोई न्यूनतम अवधि निर्धारित नहीं की गयी है। वर्तमान में, एक राज्य में अधिकारियों की स्वीकृत संख्या का 40 प्रतिशत केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए आरक्षित या सीडीआर माना जाता है, जिसके आधार पर राज्य के आईएएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर आ सकते हैं। अतीत में, कुछ कैडर में, जैसे समस्याग्रस्त पूर्वोत्तर के अधिकारियों के लिए, दिल्ली में प्रतिनियुक्ति एक प्रमुख आकर्षण थी और सीडीआर तक का उल्लंघन किया गया था। हालांकि, समय के साथ, राज्यों में जमीनी स्तर के माहौल और स्थितियों में काफी बदलाव आया है- अधिकारियों के पास कई प्रभार हैं और इसलिए संसाधनों का उपयोग और कार्य क्षेत्र व्यापक हुए हैं- जिससे राज्य में प्रतिनियुक्ति आकर्षक हो गयी है। इसके अलावा, उप सचिव और निदेशक स्तर पर दिल्ली की प्रतिनियुक्ति को कुर्सी पर बैठकर फाइलों को निपटाने के नीरस कार्य के रूप में देखा जाता है, जिसमें जनता के साथ शायद ही कोई संपर्क हो पाता है तथा प्रयोग और नवाचार के लिए गुंजाइश सीमित होती है। इस प्रकार, यह एक चिंताजनक स्थिति है कि युवा अधिकारी, केंद्र सरकार में काम करने का अनुभव प्राप्त किए बिना राज्य में तब तक बने रहने का प्रबंध कर लेते हैं, जब तक वे संयुक्त सचिव के स्तर तक नहीं पहुंच जाते।

यह देखते हुए कि 2011 में सीडीआर उपयोग 25 प्रतिशत से कम होकर 18 प्रतिशत हो गया है, भारत सरकार की केंद्र-प्रतिनियुक्ति के लिए राज्यों द्वारा पर्याप्त संख्या में अधिकारियों को नियुक्त करने की प्रतिबद्धता संबंधी पहल पूरी तरह से उचित है। आईएएस अधिकारी सभी स्तरों पर सरकार के मुख्य आधार माने जाते हैं और प्रत्येक मंत्रालय को कुछ उप सचिवों और निदेशकों की आवश्यकता होती है, जिन्हें विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए अधिकारी और प्रशासक के रूप में क्षेत्र का अनुभव हो, ताकि वे जमीन से जुड़ी और लाभार्थी-उन्मुख नीतियों को तैयार करने में मदद कर सकें। कुछ राज्यों का तर्क है कि यह व्यवस्था अधिकारियों को राज्य को अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने से रोकेगी, क्योंकि वे इस बारे में अनिश्चित रहेंगे कि उन्हें आगे कहाँ नियुक्ति मिलेगी। लेकिन राज्य यह भूल जाते हैं कि केंद्र और राज्य सरकार में वैकल्पिक रूप से काम करना आईएएस अधिकारियों के सर्वोत्तम हित में है, ताकि अधिकारी राष्ट्रव्यापी और राज्य-विशिष्ट योजना निर्माण, दोनों के उपयुक्त मिश्रण के साथ अपने स्वयं के अनुभव को समृद्ध कर सकें। राज्यों के लिए इस तरह का ज्ञान और अनुभव साझा करना भी महत्वपूर्ण है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि केंद्रीय नीति-निर्माण में उनके हित सुरक्षित हैं।

अधिकारियों को भारत सरकार की तुलना में राज्यों में अनिश्चितता के उच्च स्तर के बारे में अवगत होना चाहिए, जहां सत्ता में कार्यकाल के पहले कई बार बदलाव हो सकता है और शासन की शक्तियों का अनुचित इस्तेमाल किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, हम ऐसे अधिकारी भी होते हैं, जिन्हें स्थानीय वफादारी के लिए निरंतर संरक्षण प्रदान किया जाता है- जो उन्हें राज्य में हमेशा के लिए अपरिहार्य बना देता है। कुछ अधिकारी अपना पूरा करियर राज्य से बाहर एक बार भी प्रतिनियुक्ति पर गए बिना समाप्त कर देते हैं।

मुख्यत: इसी कारण से एक ऐसी व्यवस्था बनाना महत्वपूर्ण है, जिससे आईएएस अधिकारी अपने करियर का कम से कम एक तिहाई भाग केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर बिताएं, जिसमें से कम से कम 7 साल का कार्यकाल उप सचिव/निदेशक स्तर का होना चाहिए। आईएएस को एक केंद्रीय अतिविशिष्ट वर्ग के रूप में भी तैयार करना आवश्यक है, जिसमें राष्ट्र के प्रति उच्च-स्तरीय प्रतिबद्धता हो तथा राज्य कैडर के प्रति संकुचित निष्ठा नहीं हो। जब अधिकारी राज्य से बाहर प्रतिनियुक्ति पर जाते हैं तो उन्हें अन्य राज्य में प्रतिनियुक्ति भी स्वीकार्य होनी चाहिए, यदि वे दिल्ली में काम करने के इच्छुक नहीं है। इससे आईएएस अधिकारी अपनी प्रांतीय मानसिकता का परित्याग करने में सक्षम होंगे। तभी आईएएस के अखिल भारतीय स्वरूप को संरक्षित किया जा सकता है और इससे देश की एकता एवं शासन मानकों में एकरूपता, जिन्हें सरदार पटेल द्वारा निर्धारित किया गया था, के सन्दर्भ में प्रत्यक्ष लाभ होंगे।

एक अन्य स्तर पर, भर्ती के समय यह साफ तौर पर स्पष्ट किया जाना चाहिए कि अधिकारियों को केंद्र सरकार और राज्यों में एक निश्चित अवधि के लिए सेवा प्रदान करनी होगी। समावेशी और आधुनिक मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए, सरकारी खर्च पर दुनिया के सबसे अच्छे विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षण को करियर नियोजन के हिस्से के रूप में अनिवार्य किया जाना चाहिए। अधिकारियों को उनकी सेक्टर आधारित विशेषज्ञता और पसंद के अनुरूप सरकारी नौकरियों में आवेदन की सुविधा के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली तैयार की जानी चाहिए। यहां तक कि यदि अधिकारी अपने करियर के दौरान सीमित अवधि के लिए निजी क्षेत्र में जाना चाहते हैं, तो उन्हें कॉर्पोरेट जगत के सर्वोत्तम तौर-तरीकों को जानने-समझने के लिए बाहर निकलने की अनुमति दी जानी चाहिए, ताकि वे एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करें, जिसमें निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र सहयोगात्मक रूप से काम कर सकें। आईएएस अधिकारियों का सबसे अच्छा उपयोग तब किया जाएगा जब उन्हें विश्व स्तर पर या केंद्र सरकार में और राज्यों में कुशलता से काम करने के लिए आवश्यक कौशल और अनुभव के साथ एक विशिष्ट कोर के रूप में तैयार किया जाएगा और उनकी तैनाती की जाएगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि राज्य उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करें और उनके सर्वोत्तम योगदान के लिए उन्हें एक अनुकूल कार्य वातावरण प्रदान करें, केंद्र को राज्यों के साथ एक ऐसा दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जो परामर्श, सहिष्णुता और अभिभावक होने की भावना पर आधारित हो।

लेखक पूर्व आईएएस हैं तथा भारत सरकार के पूर्व सचिव रहे हैं

गरीब भूखे बच्चों ने दिखा दी राह

जॉन बॉयड ऑर, शांति नोबेल विजेता

सूचना पूरी बस्ती में आग की तरह फैल गई थी कि नए मास्टर साहब पढ़ाने आने वाले हैं। कभी कक्षा में न आने वाले छात्रों तक भी खबर पहुंच गई थी, जो जहां था, शायद वहीं से कक्षा की ओर चल पड़ा। ग्लासगो शहर की सबसे विशाल मलिन बस्ती का वह स्कूल अपने 19 वर्षीय शिक्षक का इंतजार कर रहा था। यह दुर्भाग्य ही है कि ऐसी बस्तियों के ऐसे स्कूलों में कोई शिक्षक आना पसंद नहीं करता है, तो पढ़ाई भी नाम भर के लिए होती है, जिससे वहां अशिक्षा और गरीबी का एक सिलसिला भी चलता रहता है।

ऐसे ही स्कूल में उस दिन जब युवा शिक्षक महोदय पहुंचे, तो देखकर हैरान थे। कक्षा खचाखच भरी हुई थी। कुछ लड़के ऊपर, तो कुछ नीचे जमे थे। ऐसी गजब भीड़भाड़ थी कि शिक्षक के लिए भी जगह कम पड़ रही थी। शिक्षक ने किसी तरह खुद को कक्षा में खड़ा किया और छात्रों को निहारने लगे। कुछ ही बच्चे थोड़े ठीक नजर आ रहे थे। कुछ के शरीर पर पूरे कपड़े भी नहीं थे। पुराने कपड़ों के साथ गरीबी और मलिनता की बदबू भी हवा में घुल रही थी। ज्यादातर बच्चे पहली नजर में ही बीमार नजर आ रहे थे। देखने से ही भूखे लग रहे थे। कुछ चेहरे तो दुबराकर बिल्कुल खोपड़ी रूप तक पहुंच गए थे।

शिक्षक उन्हें देखते रह गए। गरीबों और जरूरतमंदों का ऐसा समूह पहली बार सामने आया था। जिस भी बच्चे की आंख में झांको, लाचारी और उम्मीद की चमक थी। बताते हैं, आंखों में ही उम्मीदें पलती हैं, आदमी भले दुर्बल होता जाता है, लेकिन आंखें उभरती चली जाती हैं। अपनी उभरी आंखों के साथ ही बच्चे शिक्षक को लगातार निहार रहे थे। हर बच्चे के पीछे कोई दुखड़ा होगा। पहली कक्षा ने ही युवा शिक्षक को अंदर से हिला दिया। वह लड़कों को देखता ही रहेगा, तो पढ़ाएगा कैसे? क्या हर भूखे लड़के से कहा जाए, जाओ खाकर आओ। जाओ पूरे कपड़े पहन आओ। कपड़े पुराने हैं, तो क्या हुआ, जाओ साफ-सफाई से आओ। तुम बीमार लग रहे हो, तो जाओ पहले किसी डॉक्टर को दिखाओ। वह शिक्षक कुछ पंक्तियां पढ़ाते और फिर किसी न किसी लड़के को देखने लगते। इनके लिए क्या किया जा सकता है? क्या अपने पास इतने पैसे हैं कि इन गरीबों को पढ़ने लायक बनाया जाए? क्या आसपास कोई ऐसी संस्था है, जो ऐसे बच्चों की मदद के लिए आगे आ जाए? मैं अभी युवा हूं, पढ़ाई भी पूरी नहीं हुई है, माली हालत भी पुख्ता नहीं है, तो मैं इनकी मदद कैसे करूं? शिक्षक को मजबूरी और सवालों ने ऐसे घेरा कि जीवन की पहली नौकरी से इस्तीफा देना ही सबसे बेहतर लगा। उस दिन तय कर लिया कि पहले खुद को इस काबिल बनाना पड़ेगा कि कुपोषितों के लिए कुछ किया जा सके।

तब युवा शिक्षक जॉन बॉयड ऑर (1880-1971) डॉक्टर बनने की राह पर चल पड़े और इसमें भी उनका ध्यान कुपोषण दूर करने पर ज्यादा था। वह समझ गए थे कि दुनिया में लोगों का ध्यान गरीबी पर कम और युद्ध पर ज्यादा है। युद्ध की बुनियादी वजहों में भूख भी है और दरिद्रता भी। 1920 के दशक के दौरान जॉन बॉयड ऑर का शोध मुख्य रूप से पोषण के लिए समर्पित हो गया। सबको भोजन मिले, कोई भी कुपोषित न हो।

प्रस्तुति : ज्ञानेश उपाध्याय

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

एनटीपीसी को मिला ग्रेट प्लेस टू वर्क का सम्मान

कोरबा। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत कंपनी एनटीपीसी को ग्रेट प्लेस टू वर्क इंस्टीट्यूट द्वारा 'इंडियाज़ बेस्ट वर्कप्लेसेज़ इन मैनुफैक्चरिंग 2022-टॉप 30' से सम्मानित किया गया है। ग्रेट प्लेस टू वर्क का यह प्रमाणपत्र 'एम्प्लॉयर-ऑफ-चॉइस' सम्मान है, जिसे कोई भी संगठन हासिल करना चाहता है। इस साल 132 संगठनों ने बेस्ट वर्कप्लेसेज़ बाय ग्रेट प्लेस टू वर्क के पांचवें संस्करण के लिए आवेदन किया था। ग्रेट प्लेस टू वर्क ने शीर्ष पायदान के 30 संगठनों को पहचाना है जिन्होंने सभी के लिए अपने कार्यस्थल को सफलतापूर्वक उत्कृष्ट बनाया है। एनटीपीसी ने हाल ही में सभी महिलाओं से युक्त इंजीनियरों के बैच की भर्ती की, जो अपने आप में अग्रणी कदम है तथा कंपनी द्वारा विविधता एवं समावेशन को सुनिश्चित करने के प्रयासों की पुष्टि करता है। ग्रेट प्लेस टू वर्क ने एनटीपीसी को इसके कर्मचारियों में भरोसा उत्पन्न करने और इसकी सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं के लिए सम्मानित किया है।

नेहा वैष्णव बनी छत्तीसगढ़ एनएसयूआई की प्रदेश संयोजक

राजनांदगांव। जिले के नेहा वैष्णव को छत्तीसगढ़ एनएसयूआई प्रदेश संयोजक के पद पर नियुक्त किया गया। बता दें कि इससे पूर्व में नेहा वैष्णव एनएसयूआई जिला सचिव के पद पर रहते हुए छात्रों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया और निष्ठापूर्ण कार्य किया जिसे ध्यान में रखते हुए उन्हे प्रदेश स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इस बड़ी जवाबदारी के लिए नेहा वैष्णव ने एनएसयूआई राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन, एनएसयूआई प्रभारि विशाल चौधरी, सोशल मीडिया राष्ट्रीय चेयरमैन आदित्य भगत एवं छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल आयोग सदस्य निखिल द्विवेदी, भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, एनएसयूआई पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे, सोशल मीडिया प्रदेश चेयरमैन असलम मिर्ज़ा,संगठन प्रभारि सचिव शान एम शैफ़ि का आभार व्यक्त हुए कहा कि मैं पूरी लगन, निष्ठा और क्षमता के साथ अपनी दायित्व का निर्वाहन करूंगी और संगठन को मजबूत करने का प्रयास करूंगी।

पानी सप्लाई में बार-बार रुकावट, 6 मे से 3 पम्प खराब, विधायक वोरा ने विभागीय अफसरों पर जताई कड़ी नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर की पानी सप्लाई व्यवस्था में लापरवाही का पता चलने पर वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा और महापौर धीरज बाकलीवाल ने आज नगर निगम के जल कार्य विभाग के अफसरों पर जमकर नाराजगी जताई है। विधायक और महापौर ने कहा है कि शहर की पानी सप्लाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

फेज टू योजना के बाद अब अमृत मिशन प्रोजेक्ट पूर्णता की ओर है। इसके बावजूद शहर में पानी सप्लाई में बार.बार रुकावट आने की नौबत नहीं आना चाहिए। लापरवाही बरतने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी और उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। शहर के दर्जन भर वार्डों में पिछले तीन.चार दिनों से पानी की सप्लाई नियमित रूप से नहीं हो रही है। इन वार्डों में कई बार नल नहीं खुलते या नल खुलने पर लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है। नल से पानी न मिलने की समस्या के कारण विधायक और महापौर के पास लगातार शिकायतें आ रही हैं। लगातार शिकायतें मिलने के कारण आज विधायक और महापौर ने शिवनाथ नदी पंप हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्व महापौर शंकरलाल ताम्रकार, जल कार्य प्रभारी संजय कोहले, एमआईसी मेंबर हमीद खोखर, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अलताफ अहमद, अजय मिश्रा, राजकुमार पाली सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद थे। यहां पहुंचने पर पता चला कि पंप हाउस में 6 में से 3 मोटर पंप खराब हैं।

इस संबंध में अधिकारियों से जानकारी लेने पर पता चला कि मेंटेनेंस कार्य की स्वीकृति नहीं हो पाने के कारण काम रुका है। विधायक और महापौर ने इस संबंध में निगम कमिश्नर हरेश मंडावी से फोन कर इस मामले की जानकारी दी। विधायक वोरा ने कहा कि 6 में से 3 मोटर पंप खराब होना दुर्भाग्यजनक है। आयुक्त स्वयं पानी सप्लाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग करें और पानी का संकट न होने देने के लिए नियमित रूप से मेंटेनेंस आदि के कार्य कराएं। पानी सप्लाई बेहद आवश्यक सेवा है। यह व्यवस्था दुरुस्त रहनी चाहिए। आम जनता को पानी के लिए परेशान होने देने की नौबत नहीं आनी चाहिए।

हर हाल में पानी सप्लाई व्यवस्था बहाल रहनी चाहिए। महापौर धीरज बाकलीवाल ने नाराजगी जताते हुए कड़े शब्दों में कहा है कि छोटे.मोटे कार्यों के लिए फाइलें रोकना या लापरवाही करना गलत है। पानी सप्लाई के लिए मोटर पंप आदि के मेंटेनेंस के लिए एक.एक माह तक फाइल रोकने की बजाय तत्काल स्वीकृति लेकर मेंटेनेंस कार्य शुरू कराया जाना चाहिए। भविष्य में इस तरह की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापौर ने साफ कहा है कि शहर में पानी सप्लाई जैसी जरूरी सेवा में लापरवाही का पता चलने पर जिम्मेदारी तय करते हुए सीधी कार्रवाई की जाएगी।

कमिश्नर दुर्ग ने बेरला अंचल का दौरा कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की ली जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। आयुक्त दुर्ग संभाग महादेव कावरे द्वारा बेमेतरा जिले के ग्राम कंडरका में जल जीवन मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया गया। जल जीवन मिशन के तहत रिट्रोफिटिंग कार्य के तहत घर घर में नल कनेक्शन एवं सार्वजनिक स्थानों पर नल कनेक्शन दिया जा रहा है जिसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार ग्राम पिरदा में कोविड-19 टीकाकरण का निरीक्षण कर दूसरे डोज के लिए शेष बचे हुए लोगों को शीघ्र टीकाकरण करने के लिए निर्देश दिया गया, ताकि कोविड के नुकसान से बचा जा सके । ग्राम पिरदा में ही गोधन न्याय योजना का निरीक्षण किया गया समूह के पास ?1.5 लाख आय हुई है जिसमें सहायता समूह को वर्मी कंपोस्ट का ?100000 मिला है क्रेडा द्वारा लगाया गया सोलर पंप बिगड़ा होना बताया गया जिसे शीघ्र सुधार करने आयुक्त ने निर्देश दिया। ग्राम हसदा में गोठान समिति के खाते में ? 3.8 लाख तथा स्व सहायता हसदा के चारागाह का भी निरीक्षण किया गया । ग्राम साकरा में गोधन न्याय योजना के तहत स्व सहायता समूह ? 215000 और गोठान समिति के पास ? 400000 राशि आय बताया गया। प्रत्येक गोठान में प्रतिदिन आने वाले जानवरों का रजिस्टर संधारित करने के निर्देश आयुक्त द्वारा दिया गया। आयुक्त द्वारा गोठान में मल्टी एक्टिविटी के तहत अन्य गतिविधियां लेने के लिए भी निर्देशित किया गया। ग्राम खमरिया के दो हितग्राहियों से जल जीवन मिशन के तहत नल में पानी की स्थिति वीडियो कॉलिंग द्वारा जानी गई। दोनों हितग्राही इससे संतुष्ट दिखे। इस अवसर पर कलेक्टर बेमेतरा विलास भोसकर संदीपान, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती लीना मंडावी, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी आशालता गुप्ता एवम अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छग यूथ फॉर वेलफेयर ने गांधी की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ यूथ फॉर वेलफेयर एसोसिएशन ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 74 वी पुण्यतिथि पर संगोष्ठी आयोजित कर पूज्य बापू के विचारों पर एवं उनके जीवन पर चर्चा की।

सर्वप्रथम युवाओं द्वारा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया एवम युवाओं ने मौन खड़े होकर गांधी जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

छः ग यूथ फॉर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष रमेश गंगवानी ने कहा कि आज बापूजी को सही श्रद्धांजलि उनके बताए मार्ग को अपनाकर ही दी जा सकती है विश्व शांति का पाठ और लोक कल्याण का मंत्र छिपा है इसीलिए गांधी जी कहते थे। खुद वो बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। शोषण और अन्याय के खिलाफ अहिंसक आंदोलन महात्मा गांधी की देन है।

युवा पीढ़ी को समाज को नई दिशा देने के लिए अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विकास साहू गौरव पंजवानी मनोज सिन्हा विवेक झा, राजेश गुप्ता आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य जल संसाधन उपयोग समिति की बैठक सम्पन्न, नदियों से जल उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य जल संसाधन उपयोग समिति की 51वीं बैठक वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न जल प्रदाय योजनाओं, विद्युत उत्पादन केन्द्रों और औद्योगिक संस्थानों को राज्य की विभिन्न नदियों से जल उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में कांकेर जिला के विकासखण्ड-कोयलीबेड़ा की पंखांजूर आवर्धन जल प्रदाय योजना, जिला बस्तर के 201-कोबरा बटालियन सीआरपीएफ मुख्यालय-करनपुर को पेयजल हेतु जल प्रदाय आवर्धन योजना, रायगढ जिले के विकासखण्ड बरमकेला के 102 ग्रामों की बरगांव कंचनपुर समूह जल प्रदाय आवर्धन योजना, जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला रायगढ़ विकासखण्ड-सारंगढ़ के 84 ग्रामों की भद्रा-रीवापार समूह जल प्रदाय आवर्धन योजना, विकासखण्ड पुसौर के 50 ग्रामों की कलमा-कोंडातराई समूह जल प्रदाय योजना, जिला रायपुर ब्लॉक-तिल्दा, ग्राम परसदा के निकट स्थापित एकीकृत इस्पात संयंत्र एवं केप्टिव पॉवर प्लांट के विस्तारीकरण हेतु खारून नदी पर निर्मित जल प्रदाय आवर्धन योजना, ब्लॉक-तिल्दा ग्राम सरोरा के निकट स्थापित स्पंज आयरन एवं केप्टिव पॉवर प्लांट के विस्तारीकरण हेतु खारून नदी पर निर्मित लखना एनीकट जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला बेमेतरा ब्लॉक-बेमेतरा ग्राम-भैंसा के निकट प्रस्तावित एथेनॉल संयंत्र हेतु शिवनाथ नदी पर निर्मित तुलसी-पौंसरी एनीकट जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला रायपुर ब्लॉक तिल्दा, ग्राम जलसो के निकट प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र एवं 65 मेगावाट केप्टिव पॉवर प्लांट हेतु शिवनाथ नदी पर निर्मित तिवरैया जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला कांकेर ब्लॉक-दुर्गकोंदल, ग्राम हाहालही के निकट जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला रायपुर ब्लॉक आरंग, ग्राम आरंग के निकट प्रस्तावित बायो रिफाईनरी (इथेनॉल/बॉयो ईधन) एवं 12 मेगावॉट केप्टिव प्लांट जल प्रदाय आवर्धन योजना, जिला बालोद ब्लॉक-डौण्डी, ग्राम गिधाली के निकट जल प्रदाय आवर्धन योजना के लिए वार्षिक आधार पर पेयजल आबंटन सहित विभिन्न औद्योगिक संस्थानों, कोल वॉशरी और विद्युत उत्पादन केन्द्रों को जल प्रदाय के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, सचिव जल संसाधन अन्बलगन पी., सचिव कृषि डॉ. कमलप्रीत सिंह, सचिव वाणिज्य एवं उद्योग आशीष कुमार भट्ट, सचिव ऊर्जा अंकित आनंद सहित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। अहिंसा के पुजारी, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 74वीं पुण्यतिथि पर उन्हें कांग्रेसियों ने याद किया। आज जिला कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष शहर अनिल शुक्ला, महिला काँग्रेस जिला अध्यक्ष शहर बरखा सिंह, सेवादल जिला संयोजक शकील अहमद मुन्ना, महिला कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष ग्रामीण एवं रायगढ़ जनपद अध्यक्ष भूमिसुता चौहान की अगुवाई में कांग्रेस के समस्त प्रकोष्ठों की उपस्थिति में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई गई।

सर्वप्रथम जिलाध्यक्ष शहर अनिल शुक्ला, सेवादल जिला संयोजक शकील अहमद मुन्ना, सेवादल महिला ग्रामीण अध्यक्ष एवं जनपद अध्यक्ष भूमिसुता चौहान महिला जिलाध्यक्ष बरखा सिंह ने मिलकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित किया। तत्पश्चात सभी उपस्थित काँग्रेसियों ने क्रमबद्ध तरीके से अपनी-अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित कर बापू को नमन किया। उसके बाद सभी लोग पैदल मार्च करते हुए गांधी प्रतिमा जाकर बापू को माल्यार्पण कर नमन किए।

अहिंसा परमो धर्मा की प्रतिमूर्ति थे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी- अनिल शुक्ला

उपस्थित काँग्रेसियों को जिलाध्यक्ष शहर अनिल शुक्ला ने संबोधित करते हुए कहा कि, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अपने आप में एक सेना, संगठन थे। वे अहिंसा के पुजारी थे। उनके द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन, दांडी यात्रा, भारत छोड़ो आंदोलन का ही परिणाम था कि भारत आज स्वतंत्र राष्ट्र है। उनके द्वारा राष्ट्र निर्माण के लिए किए गए योगदान अमिट छाप छोड़ गए हैं।

महात्मा गांधी को देख कर के ही अंग्रेजों के पसीने छूट जाते थे, क्योंकि वह मारधाड़, हिंसा से नहीं अहिंसा रूपी चोट पहुंचा कर विरोधियों को परास्त कर देते थे। जिसके वजह से आज पूरा विश्व उन्हें नमन करता है। सब लोगों को एकजुट करने और राष्ट्र को आजाद करवाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन न्योछावर कर दिया। राष्ट्र को आजाद कराने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। लेकिन कुछ भी विघटनकारी राष्ट्र विरोधी तत्वों को उनका कद बढ़ता सहन नहीं हुआ।

शतप्रतिशत टीकाकरण के लिये जुटेंगे भाजपा कार्यकर्ता

जगदलपुर। बस्तर संभाग में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयं सेवक कार्यक्रम में तेजी लाने आह्वान किया है और कार्यकर्ताओ से आमजन के बीच पहुंचकर कोरोना से बचाव के उपायों की अधिक से अधिक जानकारी देते हुए टीकाकरण के लिये प्रेरित करने कहा है। भाजपा जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ.श्रेयांश वर्धन जैन ने बताया कि कोरोना की तीसरी लहर पुन: प्रभावी हो रही है, जिससे बचाव का एकमात्र उपाय सजगता एवं अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण है।रुप में कोरोना जैसी आपदा के बीच जनसेवा में लीन निरंतर कार्य कर रहे हैं।

खास खबर

कोरोना के इलाज में स्टेरायड के प्रयोग से बचें, ब्लैक फंगस का खतरा

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर स्थित एम्स के ईएनटी विभाग ने एक बार पुन: म्यूकर माइक्रोसिस (ब्लैक फंगस) के संभावित केस को देखते हुए स्टेरायड के प्रयोग को लेकर जागरूकता का प्रसार करना शुरू कर दिया है। एम्स के विशेषज्ञों का कहना है कि यदि दूसरी लहर के समान इस बार भी कोविड-19 के रोगियों ने बिना चिकित्सकों की निगरानी के स्टेरायड का प्रयोग किया तो ब्लैक फंगस के रोगियों की संख्या और अधिक हो सकती है। इसके साथ ही पुराने रोगियों के पुनर्वास के लिए भी सघन प्रयास किए जा रहे हैं।

एम्स में ब्लैक फंगस के उपचार के लिए ही पूर्व से ही निदेशक प्रो. (डा.) नितिन एम. नागरकर के निर्देशन में एक दर्जन से अधिक विभागों की एक टीम कार्य कर रही है। प्रो. नागरकर ने बताया कि कोविड की दूसरी लहर में आए 252 रोगियों में से 217 रोगियों का आपरेशन कर उन्हें ठीक किया गया था। देशभर में यह किसी चिकित्सा संस्थान में किए गए सर्वाधिक आपरेशन में से एक था। इसके लिए सात विशेष म्यूकरमाइकोसिस वार्ड बनाए गए थे जबकि तीन आपरेशन थियेटर को प्रति सप्ताह छह दिन आपरेशन के लिए आरक्षित कर दिया गया था और दो आइसीयू इन रोगियों के लिए आरक्षित थे। एक बार पुन: इस टीम को कार्यशील कर दिया गया है। अभी ईएनटी, नेत्र रोग, न्यूरो सर्जरी, डेंटल, मेडिसिन, एंडीक्रायनोलाजी, पल्मोनरी, एनेस्थेसिया, रेडियोलाजी, माइक्रोबायोलाजी, क्लीनिकल फार्माकोलाजी और पैथोलाजी विभागों के चिकित्सक मिलकर ब्लैक फंगस के इलाज की तैयारी कर रहे हैं। ईएनटी विभाग की डा. रूपा मेहता ने बताया कि विभाग निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर स्टेरॉयड के प्रयोग में सावधानी बरतने की सलाह दे रहा है। रोगियों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे होम आइसोलेशन में स्वयं स्टेरायड का प्रयोग न करें। स्टेरायड का प्रयोग चिकित्सकों की निगरानी में गंभीर स्थिति में ही किया जाना चाहिए।

भाजपा नेताओं ने बूथ तक पहुंचाई मोदी के मन की बात

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को बूथ स्तर तक पहुंचाने का काम शुरू किया है। भाजपा के राष्ट्रीय सहसंगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने दो दिवसीय बैठक में मन की बात कार्यक्रम को जनता के बीच पहुंचाने का खाका तैयार किया। रविवार को पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण हुआ, जिसे राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी जिलों में भाजपा नेताओं ने दिखाने की व्यवस्था की। भाजपा कार्यालय सहित वार्डों में रेडियो और टीवी के माध्यम से मन की बात को सुनाया गया। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर भाजपा नेताओं ने श्रद्धांजलि दी और मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने जशपुर के बांसबहार बूथ में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करके मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए। साय ने बूथ को मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों की बैठक भी ली। साय ने कहा कि बापू का संपूर्ण जीवन शांति, अहिंसा, देशभक्ति और सद्भाव के आदर्शों के प्रति समर्पित था। उनकी शिक्षाएं पूरी मानवता के लिए आज भी प्रासंगिक है। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक बिल्हा के परसदा बूथ में मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए। कौशिक ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि गांधी के सूत्र वाक्यों को आत्मसात कर सदा राष्ट्र के विकास के लिए जुटना होगा। पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल रायपुर के सदर बाजार मंडल की ओर से नाहटा मार्केट में आयोजित मन की बात के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में शामिल हुए। अग्रवाल ने कहा कि मन की बात सभी वर्ग के लोगों के लिए प्रेरणादायी होती है। अग्रवाल ने भारत माता और महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर महीने के अंतिम रविवार को देश की जनता से अपने मन की बात करते हैं। उनके मन की बात सुनने से देश में विभिन्न क्षेत्र के प्रेरणादायी काम करने वाले लोगों के बारे पता चलता है। सभी को मन की बात सुनने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए और खुद भी घर में सपरिवार सुनना चाहिए।

नरवा विकास योजनाः कावरा नाला सुदूर वनांचल में लेकर आया विकास का कारवां

कावरा नाला में 73 विभिन्न संरचनाओं के निर्माण से 3 हजार हेक्टेयर भूमि में उपचार का मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी ''नरवा विकास'' योजना के तहत कावरा नाला में हुए भू-जल संवर्धन संबंधी कार्य सुदूर वनांचल में विकास का कारवां लेकर आया है। गौरतलब है कि वनांचल में स्थित कावरा नाला में 97 लाख 79 हजार रूपए की लागत से 73 भू-जल संवर्धन संबंधी विभिन्न संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इससे लगभग 10 किलोमीटर लंबाई के कावरा नाला में कुल जल संग्रहण क्षेत्रफल अंतर्गत 11 हजार 974 हेक्टेयर में से वन क्षेत्र के लगभग 3 हजार हेक्टेयर को उपचारित किया गया है।

नरवा विकास योजना के अंतर्गत राज्य के वनांचल में कैम्पा मद से काफी तादाद में नरवा विकास के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनका वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देशानुसार प्रमुख सचिव वन मनोज पिंगुआ तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक राकेश चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में तेजी से क्रियान्वयन जारी है। इस संबंध में वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता ने बताया कि दक्षिण कोण्डागांव अंतर्गत कावरा नाला में कैम्पा (छत्तीसगढ़ प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) की वार्षिक कार्ययोजना 2020-21 के अंतर्गत लगभग 98 लाख रूपए की लागत से विभिन्न भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण किया गया है।

इनमें 12 नग लूज बोल्डर, 17 नग ब्रशवुड चेकडेम, 1 नग भूमिगत डाइक, 19 नग गेबियन संरचना, 13 नग वाटर होल, 3 नग तालाब गहरीकरण, 1 नग गली प्लग तथा 4 नग 30ग 40 मॉडल का निर्माण शामिल है। इससे वनांचल स्थित अमरावती क्षेत्र के लोगों को लगभग 3 हजार हेक्टेयर भूमि के उपचार का लाभ मिलने लगा है। इस तरह कावरा नाला में हुए भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण सुदूर वनांचल में विकास का कारवां लेकर आया है।

जल जीवन मिशन के कार्यों में आ रही तेजी

बेहतर क्रियान्वयन के लिए लगातार हो रही समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रूद्रकुमार के निर्देशन में राज्य के ग्रामीण अंचलों में जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल की आपूर्ति में तेजी आ रही है। जल जीवन मिशन के कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए लगातार समीक्षा की जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत राज्य के 48 लाख 49 हजार 443 परिवारों को नल कनेक्शन के जरिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जायेगी। अब तक 8 लाख 14 हजार 497 परिवारों को नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इसी तरह कुल 45 हजार 973 आंगनबाड़ी केन्द्र, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्रों में से 36 हजार 420 विभिन्न संस्थाओं में रनिंग वाटर सप्लाई की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी और बेहतर क्रियान्वयन के लिए लगातार समीक्षा की जा रही है इसी कड़ी में मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने की विगत दिनों जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए श्री जैन ने कहा है कि योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के बसाहटों के प्रत्येक घर, आंगनबाड़ी केन्द्र, स्कूल, आश्रम छात्रावास, अस्पतालों, पंचायत भवनों में पाइप लाइन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के कार्य में और अधिक तेजी लाया जाए। उन्होंने कहा कि कार्य की पूर्णता की जिम्मेदारी लेने वाले एजेंसियों-ठेकेदारों के द्वारा यदि कार्य में लापरवाही की जा रही है तो उन्हें ब्लैक लिस्ट करते हुए राज्य शासन सहित दूसरे जिलों को भी जानकारी दिया जाना है। इसके साथ ही संबंधितों की संपत्ति को राजसात करने की प्रक्रिया चालू की जाएगी।

छत्तीसगढ़ में कोरोना वैक्सीन का वेस्टेज स्तर राष्ट्रीय दर से कम, 0.89 फीसद ही हुए खराब

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में कोरोना से बचाव के लिए अब तक 3.49 करोड़ टीकाकरण टीकाकरण किया गया है। वहीं वेस्टेज टीको की बात करें तो महज 0.89 फीसद ही वैक्सीन टीकाकरण के दौरान खराब हुए हैं। जो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक केंद्र सरकार ने अब तक 3,55,79,450 कोवैक्सीन और कोविशील्ड उपलब्ध कराए हैं। इमसें से 28.98 लाख वैक्सीन राज्य के पास उपलब्ध है।

छत्तीसगढ़ में जनवरी माह में कोरोना से 234 मौत हुई है। इसमें से 140 लोगों ने कोरोना का टीका नहीं लगवाया था। वहीं 20 लोग ऐसे थे, जिन्होंने पहला डोज लिया था। राज्य में रविवार को 2373 कोरोना संक्रमित मिले हैं। वहीं 10 लोगों की मौत हुई है। 25,969 सैंपल जांच में पाजिटिविटी दर 9.14 फीसद रहा। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक सर्वाधिक 374 कोरोना संक्रमित

रायपुर में मिले। दुर्ग में 307, रायगढ़ में 159, राजनांदगांव में 102, बिलासपुर में 101, मुंगेली में 135 समेत अन्य जिलों में संक्रमित सामने आए।

100 फीसद टीकाककरण के करीब

18 से अधिक आयु के 1.96 करोड़ से अधिक लक्ष्य पर 99 फीसद पहले टीके का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। वहीं 72 फीसद आबादी को दोनों टीके लगाए जा चुके हैं। 15 से 18 आयु वर्ग के लक्षित 16.39 लाख किशोरों में 9.75 लाख को यानी 59 फीसद को पहला टीका व 20 फीसद आबादी को दूसरा टीका लगाया जा चुका है। इसके साथ ही सभी वर्गों में 2.04 करोड़ लोगों को पहला टीका व 1.41 करोड़ को दोनों टीकेलगाएगए हैं। जबकि 2.32 लाख लोगों को बूस्टर डोज लगाए गए हैं।

पूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य को लेकर काम

राज्य में कोरोना टीकाकरण के बीच मात्र 0.89 फीसद वैक्सीन ही खराब हुए हैं। यह राष्ट्रीय औसत से बेहद कम है। प्रदेश में पूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य लेकर कार्य कर रहे हैं। जिन्होंने अब तक टीका नहीं लगवाया है या दूसरा टीका शेष है। वह केंद्रों में जाकर टीका लगवाएं।

-डाक्टर वीआर भगत, राज्य टीकाकरण अधिकारी

छत्तीसगढ़ में आयुर्वेद, होम्योपैथी पाठ्यक्रम के लिए आठ फरवरी तक होगा ऑनलाइन आवेदन

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में आयुर्वेद, योग, होम्योपैथी, प्राकृतिक व यूनानी चिकित्सा स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह प्रक्रिया आठ फरवरी तक चलेगी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के पात्र अभ्यर्थी cghealth portal पर जाकर ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। बता दें शासकीय व प्राइवेट आयुष महाविद्यालयों के स्नातक सीटों का आवंटन संचालनालय आयुष विभाग द्वारा किया जाएगा। इधर राज्य कोटे की मेडिकल सीटों में दाखिले के लिए मेरिट सूची सोमवार को जारी होगी। पहले चरण में सात फरवरी तक दाखिले की प्रक्रिया चलेगी। वहीं 15 फरवरी से दूसरे चरण की काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी।

28 जनवरी को समाप्त हो चुका है पहले चरण की काउंसलिंग

चिकित्सा शिक्षा विभाग के मुताबिक राज्य कोटे की करीब 11,22 मेडिकल सीटों के लिए पहचे चरण के काउंसिलिंग प्रक्रिया में 5947 छात्रों ने आनलाइन आवेदन किए हैं। बता दें कि एमबीबीएस व बीडीएस की सीटों के लिए पहले चरण में काउंसलिंग को आनलाइन आवेदन प्रक्रिया 28 जनवरी को समाप्त हो चुकी है। प्रदेश में एमबीबीएस की 1320 और बीडीएस की 600 सीटें हैं। इसमें 15 फीसद आल इंडिया कोटे के छात्रों को दाखिला मिलेगा। जबकि 85 फीसद सीटें स्टेट कोटे के लिए आरक्षित है। ऐसे में राज्य कोटे के लिए करीब 1122 सीटों पर दाखिला दिया जाएगा।

15 फरवरी से शुरू होगी दूसरी काउंसिलिंग

राज्य कोटे के सीटों पर दाखिले की अंतिम तिथि सात फरवरी 2022 होगी। वहीं दूसरी काउंसिलिंग की प्रक्रिया 15 से 18 फरवरी तक चलेगी। 24 फरवरी तक प्रवेश दिया जाएगा। इसी तरह आल इंडिया कोटे की बात करें तो इसी तरह दूसरे चरण में पंजीयन प्रक्रिया नौ से 14 फरवरी, सीट आवंटन 17 से 18 फरवरी व 20 फरवरी तक दाखिले की प्रक्रिया होगी। इसी तरह आल इंडिया कोटे के तीसरे चरण में पंजीयन प्रक्रिया दो मार्च से सात मार्च तक, सीट आवंटन 10 से 11 मार्च और 13 मार्च तक दाखिले होंगे।

नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में सहभागी बनेंगे युवा

राजीव युवा मितान क्लब से युवाओं को मिलेगी नई दिशा

प्रदेशभर में बनेंगे 13 हजार 269 राजीव युवा मितान क्लब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। किसी देश और प्रदेश के लिए युवा वह पूंजी होते हैं जिन पर उस देश और प्रदेश का भविष्य निर्भर करता है। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में युवाओं को सहभागी बनाने की पहल की है। युवाओं को एक सूत्र में पिरोने के लिए भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी के नाम पर राजीव युवा मितान क्लब योजना शुरू की जा रही है, जिसके माध्यम से प्रदेश की युवा शक्ति को एक नई दिशा मिलेगी। वहीं युवाओं को एक मंच देकर छत्तीसगढ़ के विकास में सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। राज्य सरकार ने प्रदेशभर में 13 हजार 269 राजीव युवा मितान क्लब के गठन का निर्णय लिया है।

गौरतलब है कि स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 12 जनवरी 2020 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के युवाओं को संगठित करके उनकी ऊर्जा का सदुपयोग नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में करने की बात कही थी। इसके लिए युवाओं को एक मंच पर लाना जरूरी है और वह मंच या माध्यम राजीव युवा मितान क्लब है। क्लब से जुड़कर युवा खेलों को आगे बढ़ाने के साथ ही छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए काम करेंगे। राजीव युवा मितान क्लब का उद्देश्य युवाओं को रचनात्मक कार्यों से जोड़ने के अलावा इन युवाओं के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजनों तक पहुंचाना भी है।

क्लब गठन का उद्देश्य

राजीव युवा मितान क्लब गठन की योजना का उद्देश्य प्रदेश के युवा वर्ग को संगठित कर उन्हें रचनात्मक कार्यों से जोड़ना है। वहीं उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर सामाजिक, सांस्कृतिक, खेल एवं सेवाभाव से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना है। साथ ही प्रदेश के विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग प्राप्त कर लोक सहभागिता सुनिश्चित करने व सृजनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित किया जाना है। राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता के विकास में मदद मिलेगी। इस क्लब के माध्यम से कौशल विकास की गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी।

यह हुआ है तय

योजना के लिए तय प्रारूप के अनुसार राज्य की सभी 11 हजार 664 ग्राम पंचायतों में एक-एक एवं प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में जनसंख्या के अनुपात में 1605 क्लबों का चरणबद्ध तरीके से गठन किया जाएगा। इस तरह राज्य में कुल 13 हजार 269 राजीव युवा मितान क्लब गठित किए जाएंगे। इन क्लबों के लिए 132.69 करोड़ रुपए वार्षिक व्यय संभावित है, जिसमें वित्तीय वर्ष 2021-22 के वार्षिक बजट में राजीव युवा मितान क्लब के लिए 50 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है। प्रति क्लब प्रति तिमाही 25 हजार रुपए की राशि अनुदान के रूप में दी जाएगी।

ये होंगे क्लब के सदस्य

निर्धारित प्रावधानों के अनुसार क्लब में सदस्य बनने की पात्रता राज्य के मूल निवासियों को होगी। इसमें 15 से 40 वर्ष आयु सीमा के बीच के लोग ही सदस्य बनने की योग्यता रखेंगे। प्रत्येक क्लब में सदस्य क्षमता 20-40 तक होगी। इसमें प्रभारी मंत्री यह सुनिश्चित करेंगे कि क्लब में सभी वर्गों का उचित प्रतिनिधित्व हो।

ऐसे होगा संचालन

राजीव युवा मितान क्लब के प्रभावी रूप से संचालन के लिए राज्य स्तर से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक समिति गठित की गई है। योजना के क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन के लिए राज्य स्तर पर मंत्री स्तरीय समिति होगी, जिसके अध्यक्ष राज्य के मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। राज्य स्तर पर कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव, जिला स्तर पर कार्यकारिणी समिति के संरक्षक प्रभारी मंत्री तथा अध्यक्ष जिला कलेक्टर एवं उपाध्यक्ष पुलिस अधीक्षक होंगे। अनुभाग स्तर पर समिति के अध्यक्ष अनुविभागीय अधिकारी राजस्व होंगे। ग्राम पंचायतों में योजना के क्रियान्वयन का दायित्व अनुविभागीय अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत होंगे। नगरीय क्षेत्रों में क्रियान्यवन का दायित्व आयुक्त नगर निगम एवं सीएमओ नगरीय निकाय का होगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान

गहराइयां के प्रमोशन में दिखा दीपिका का ग्लैमरस लुक, मौनी रॉय ने भी शादी में ट्रेडिशनल अवतार से बटोरी सुर्खियां

बॉलीवुड सेलेब्स अपनी फिल्मों के साथ- साथ अपने ग्लैमरस लुक को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। इस हफ्ते भी इंडस्ट्री में कई ईवेंट हुए हैं, जहां अपने स्टाइलिश लुक से सेलेब्स ने चार चांद लगाए हैं।

दीपिका पादुकोण

11 फरवरी को रिलीज होने वाली फिल्म गहराइयां में नजर आने वालीं दीपिका पादुकोण जमकर फिल्म के प्रमोशन में लगी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने प्रमोशनल इवेंट में लॉन्ग ब्लैजर के साथ थाई-हाई पॉइन्टेड बूट पेयर किए थे। हाई-फैशन लुक अपनाते हुए एक्ट्रेस ने शॉर्ट बालों में चोटी की हुई थी। ड्रामेटिक आई-लाइनर और स्टेटमेंट जूलरी में दीपिका काफी ग्लैमरस लग रही थीं।

मलाइका अरोड़ा

डीवा मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट से चंद तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो रोज गोल्डन डिजाइनर शॉर्ड ड्रेस में नजर आई हैं। ये ड्रेस एक्ट्रेस ने सोनी टीवी के शो इंडियाज बेस्ट डांसर 2 के लिए पहनी थी। खुले कर्ली बालों और स्टेटमेंट जूलरी में एक्ट्रेस बेहद ग्लैमरस लग रही थीं। ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने न्यूड कलर की पॉइंटेड हाई हील पहनी है।

परिणीति चोपड़ा

हुनरबाज देश की शान शो में नजर आ रहीं परिणीति चोपड़ा लगातार अपने लुक से दर्शकों को इम्प्रेस कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रेड फॉर्मल थ्री पीस में पहुंची थीं। लाल कट पैंट, ब्लैजर के साथ एक्ट्रेस ने गुलाबी टी-शर्ट पेयर की थी। स्टेटमेंट जूलरी, साइड पार्टिशियन हेयरडू के साथ एक्ट्रेस ने ट्रांसपैरेंट पॉइंटेड हील्स पहनी थी।

नोरा फतेही

डांस मेरी रानी एक्ट्रेस नोरा फतेही ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया

अकाउंट से अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। एक्ट्रेस ने रेड थाई हाई कट वाली रेड गाउन पहनी है। एक्ट्रेस ने डायमंड का चोकर पैटर्न नेकपीस पहना है।

मौनी रॉय

न्यूलीवेड मौनी रॉय ने हाल ही में अपनी संगीत सेरेमनी की तस्वीरें शेयर की हैं। संगीत सेरेमनी में एक्ट्रेस ने फाल्गुनी पिकॉक द्वारा डिजाइन किया हुआ पीच लहंगा पहना था। इस हेवी लहंगे को एक्ट्रेस ने हरी मोतियों वाली जूलरी पहनी है।

पुष्पा के अलावा इन साउथ फिल्मों ने भी दर्शकों के दिलों पर किया था राज

साउथ की फिल्मों की फैन फॉलोइंग अब उत्तरी राज्यों में इतनी बढ़ गई है कि इन फिल्मों की रिलीज के लिए लोग इंतजार करते हैं। हिंदी भाषी दर्शकों को भी साउथ की फिल्मों का एक्शन और कहानियां बहुत पसंद आती हैं। साउथ सिनेमा में ऐसी कहानियां निकलकर सामने आ रही हैं जो एक दम यूनिक हैं इसलिए साउथ फिल्म इंडस्ट्री तेजी से ग्रो कर रही है। साउथ इंडस्ट्री की हम कुछ ऐसी ही फिल्मों के बारे में आज आपको बताने जा रहे हैं, जिन फिल्मों ने लोगों के दिलों में अपनी एक अमिट छाप छोड़ी है।

बाहुबली (2015)

एस एस राजामौली द्वारा निर्देशित बाहुबली ने साल 2015 में वर्ल्ड वाइड रिलीज हुई थी। इस फिल्म में साउथ के अभिनेता 'प्रभास और राणा दग्गुबाती' लीड रोल में थे। इस फिल्म ने रिलीज होते ही तहलका मचा दिया था। इस फिल्म को साउथ की पहला ऐसा फिल्म कहा जा सकता है जिसे नेशनल लेवल पर पसंद किया गया था और इसकी खूब चर्चा भी हुई थी। आप किसी भी ओटीटी पर इसे देख सकते हैं।

बाहुबली 2 (2017)

2015 में बाहुबली ने अपनी ऐसी छाप छोड़ी कि दर्शकों ने इसके दूसरे भाग का बेसब्री से इंतजार किया। साल 2017 में निर्देशक एस एस राजामौली इस फिल्म का दूसरा भाग 'बाहुबली 2' लेकर आए। इस फिल्म ने इंटरनेशनल लेवल पर भी अपनी एक अलग ही पहचान बनाई थी। इस फिल्म को भी 'अमेजन प्राइम' पर देखा जा सकता है।

2.0 (2018)

इस लिस्ट में बाहुबली फ्रैंचाइजी के बाद साउथ के सुपर स्टार रजनीकांत और बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार स्टारर फिल्म '2.0' का नाम आता है। यह फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई थी और रजनीकांत की 'रोबोट' का अगला भाग थी। इस फिल्म को ओटीटी पर 'अमेजन प्राइम' पर देखा जा सकता है।

साहो (2019)

प्रभास की फिल्म 'साहो' से दर्शकों को काफी उम्मीदें थी। इसमें भी उनकी दमदार एक्टिंग देखने लिए लोग बेचैन थे। लेकिन साल 2019 में आई यह फिल्म लोगों की उम्मादों पर खरी नहीं उतरी। इसके बावजूद भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त बिजनेस किया था। यह एक एक्शन फिल्म थी, जिसमें प्रभास के अपोजिट श्रद्धा कपूर थी। अगर आपने प्रभास की यह फिल्म नहीं देखी है तो आप इसे अमेजन प्राइम पर देख सकते हैं।

केजीएफ (2018)

साल 2018 में आई साउथ के सुपरस्टार 'यश' की फिल्म 'केजीएफ' भी इस लिस्ट में शामिल है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 44 करोड़ रुपये की कमाई की थी लेकिन इस फिल्म को देशभर में पसंद किया गया था। इस फिल्म का दूसरा पार्ट जल्द ही रिलीज किया जाएगा। इसके पहले भाग को भी भी अमेजन प्राइम पर देखा जा सकता है।

पुष्पा(2021)

यह फिल्म साल 2021 के आखिरी में कोरोना काल के दौरान रिलीज हुई और इसने रिलीज के साथ ही धमाका कर दिया। इस फिल्म का सुरूर इतने सर चढ़ कर बोल रहा है कि आए दिन बॉलीवुड स्टार्स और इंडियन क्रिकेट प्लेयर्स इसके गाने और डॉयलोग्स पर डांस और एक्टिंग करके अपनी वीडियो शेयर कर रहे हैं। इसे भी आप अमजेन प्राइम पर देख सकते हैं।

बिग बॉस 15 FINALE: तेजस्वी प्रकाश बनीं विनर, प्रतीक सहजपाल रहे फर्स्ट रनर-अप

शहनाज ने डांस परफॉर्मेंस से सिद्धार्थ शुक्ला को दिया स्पेशल ट्रिब्यूट

टीवी रिएलिटी शो बिग बॉस सीजन 15 की विनर तेजस्वी प्रकाश बन गई हैं। वहीं प्रतीक सहजपाल फर्स्ट रनर-अप रहे हैं। तेजस्वी को ट्रॉफी के साथ 40 लाख की प्राइज मनी मिली है। इस सीजन के टॉप 4 में करण कुंद्रा और निशांत भट्ट ने अपनी जगह बनाई थी। लेकिन निशांत ने ऑप्शन में दिए गए 10 लाख रुपए लेकर शो छोड़ दिया था।

सिद्धार्थ को दिया ट्रिब्यूट

बिग बॉस 13 के विनर और दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला को शहनाज ने डांस परफॉर्मेंस के जरिए टिब्यूट दिया। इस परफॉर्मेंस के जरिए शहनाज ने सिद्धार्थ के साथ अपनी सीजन 13 जर्नी को याद किया। शहनाज की परफॉर्मेंस देख कर सभी लोग इमोशनल हो गए।

नागिन 6 की लीड एक्ट्रेस का ऐलान

बिग बॉस के मंच से नागिन-6 शो और उसकी लीड एक्ट्रेस का भी अनाउंसमेंट किया गया है। इस शो में बिग बॉस 15 की विनर तेजस्वी प्रकाश ही नागिन के किरदार में

नजर आएंगी। शो को एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। करण कुंद्रा फिनाले के टॉप 2 में जगह नहीं बना पाए और कम वोट के चलते बाहर हो गए। करण के बाहर होते ही शो के एक्स कंटेस्टेंट और उनके दोस्त उमर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'करण तुमने बहुत अच्छा खेला। लाइफ में कभी-कभी ऐसा होता है जो आप चाहते हो वह नहीं मिलता। इसलिए नहीं कि आप उसको डिजर्व नहीं करते, बल्कि इसलिए क्योंकि आप उससे कहीं ज्यादा डिजर्व करते हो।'

श्वेता तिवारी ने पहले ही हिंट दे दिया था

श्वेता बिग बॉस 15 के ग्रैंड फिनाले में स्पेशल परफॉर्मेंस के शूट करने पहुंची थीं। इसके बाद जब पैपराजी ने उनसे बिग बॉस 15 के विनर के नाम को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा, तेजा होगी। श्वेता ने फिर एकदम से बात को बदल कर कहा, अरे विनर नहीं बता सकती यार। तेजा होगी, शमिता होगी और इन दोनों लड़कियों में कौन होगा..मेरे ख्याल से प्रतीक होगा।

प्रीति जिंटा जन्मदिनः कभी डेब्यू फिल्म के लिए मिला था बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड, आज फिल्मों से बना ली है दूरी

एक वक्त था जब प्रीति जिंटा लाखों लोगों की दिल की धड़कन हुआ करती थीं. वो हिंदी सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं. वो इस समय आईपीएल की टीम किंग्स इलेवन पंजाब की मालकिन हैं. प्रीति ने हिंदी फिल्मों के अलावा कई दूसरी भाषाओं की फिल्मों में भी काम किया है. अपने करियर में उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में की हैं. प्रीति को उनके बेहतरीन अभिनय के लिए उनकी डेब्यू फिल्म 'दिल से' के लिए सर्वश्रेष्ठ नई अदाकारा का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था. इस फिल्म के बाद उन्हें साल 2003 में आई फिल्म 'कल हो न हो' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था. प्रीति को उनके पहले इंटरनेशनल किरदार कनेडियाई फिल्म 'हेवन ऑन अर्थ' के लिए सिल्वर ह्यूगो पुरस्कार से सम्मानित किया गया था.

शिमला में हुआ था प्रीति जिंटा का जन्म

प्रीति जिंटा का जन्म 31 जनवरी 1975 को हिमाचल प्रदेश के शिमला शहर में हुआ था. उनके पिता का नाम दुर्गानंद जिंटा था, जो कि भारतीय थलसेना में एक अफसर थे. उनकी मां का नाम नीलप्रभा है जो कि एक गृहणी हैं. प्रीति जिंटा की उम्र जब महज 13 साल की ही थी, उसी वक्त उनके पिता की एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी. इस दुर्घटना में उनकी मां को गंभीर चोटें आईं जिसके बाद वो दो वर्षों तक बिस्तर पर ही रहीं. इस हादसे के बाद प्रीति की जिंदगी पूरी तरह से बदल गई थी. उन्हीं के कंधों पर पूरे घर की

जिम्मेदारी थी. प्रीति जिंटा के दो भाई हैं, दीपांकर और मनीष. दीपांकर भारतीय थलसेना में अफसर हैं और मनीष कैलिफोर्निया में रहते हैं.

प्रीति जिंटा की शुरुआती पढ़ाई शिमला के ही कॉन्वेंट ऑफ जीजस एंड मेरी बोर्डिंग स्कूल से हुई है. प्रीति एक बेहद होनहार छात्रा थीं और उन्हें साहित्य में बहुत ज्यादा दिलचस्पी थी. अपने खाली समय में वो बास्केटबॉल खेला करती थीं. स्कूलिंग के बाद उन्होंने सेंट बेडेज कॉलेज से अंग्रेजी ऑनर्स किया और मनोविज्ञान में पोस्ट ग्रैजुएट की डिग्री हासिल की.

अपने करियर के शुरुआती दिनों में प्रीति ने मॉडलिंग में किस्मत आजमाई. एक बार उनकी दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में उनकी मुलाकात एक डायरेक्टर से हुई और उन्होंने प्रीति को अपनी एड में काम करने की पेशकश की. इसके बाद प्रीति ने कई सारे एड किए. प्रीति जिंटा के फिल्मी करियर की शुरुआत शेखर कपूर की फिल्म 'तारा रम पम पम' से होनी थी और इस फिल्म में उनके अपोजिट ऋतिक रोशन थे लेकिन ये किसी वजह से बन नहीं सकी. इसके बाद शेखर कपूर ने डायरेक्टर मणि रत्नम को उनकी अपकमिंग फिल्म 'दिल से' में शाहरुख खान और मनीषा कोइराला के साथ प्रीति जिंटा को लेने का आग्रह किया. इस फिल्म में प्रीति एक सहायक अभिनेत्री के तौर पर नजर आई थीं.

20 मिनट के लिए मिला था फिल्म 'दिल से' में रोल

20 मिनट के लिए उन्हें इस फिल्म में रोल मिला था लेकिन उसी 20 मिनट में प्रीति ने अपनी एक्टिंग से सभी को अपना कायल बना लिया था. ये फिल्म न सिर्फ सुपरहिट साबित हुई बल्कि इस फिल्म के लिए प्रीति को फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ नई अदाकारा के अवॉर्ड से नवाजा भी गया. उनकी बतौर मुख्य नायिका पहली फिल्म थी 'सोल्जर'. इस फिल्म में उनके अपोजिट बॉबी देओल नजर आए थे. ये फिल्म भी उस साल की सबसे सुपरहिट फिल्म साबित हुई थी. इसके बाद प्रीति ने कई फिल्मों में काम किया लेकिन अब ऐसा लगता है कि उन्होंने फिल्मों से किनारा ही कर लिया है. वो अब फिल्मों में न के बराबर ही नजर आती हैं.

विज्ञापन के लिए संपर्क करें :-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge, Power House,
Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

मोमोस नास्ता सेंटर...
थापा शुद्ध मोमोस सेंटर
फुल हाफ
वेज मोमोस 40/- 20/-
मनचुरियन मोमोस 50/- 30/-
पनीर मोमोस 60/- 30/-
मोमोस-10, 20 और 30 रू. का भी मिलता है। शुद्ध बिना ऑयल का बना
मो.-9977690915, 7898349602
सर्कुलर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

लिजना स्पोर्ट्स वियर
हमारे यहां सुपरपॉली, करारा, ड्राईफिट, एन.एस लावकरा आदि कपड़ों के लोवर, चड्डा, बनाये जाते है, एवं स्पोर्ट्स की टी-शर्ट होलसेल रेट में बनाए जाते हैं
संबंधित संस्थान
New J.P. Sports
Shop No. E-20, Circular Market, Camp-2, Bhilai
Mo. Lovely: 9993338252, 9300878988

श्रीराम कलेक्शन
बच्चों के आकर्षक रेडिमेड वस्त्रों के विक्रेता
जवाहर मार्केट केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
789805563, 9827178585

श्री सांई जींस कॉर्नर
ओम सांई कलेक्शन
■ मेन्स वेयर ■ किड्स वेयर
■ लेडिस वेयर ■ वेडिंग कलेक्शन
9827115003, 9806303000
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

रामजाने स्वादिष्ट चाट भंडार
शादी एवं पार्टी में ऑर्डर लिया जाता है
संपर्क करें : 8871247959

नाकोड़ा साड़ी सेंटर
एक्सक्लूसिव साड़ी शोरूम
फैंसी साड़ी, वैवाहिक साड़ियां डिजाईनर साड़ियां एवं सलवार सूट, लांचा
जवाहर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

खास खबर

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का किया प्रसारण

सूरजपुर। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अकाशवाणी के रेडियों प्रसारण कार्यक्रम मन की बात के माध्यम से राष्ट्र को सम्बोधित किया गया द्य इस कार्यक्रम को लेकर भाजयुमो शहर मंडल सूरजपुर के द्वारा जिला भाजपा के आह्वान पर व मंडल संगठन के निर्देशन में भाजयुमो शहर महामंत्री संस्कार अग्रवाल के नेतृत्व में स्थानीय पुराने बस स्टैंड में मन की बात कार्यक्रम का आयोजन रविवार को प्रात: 11:30 बजे से वार्ड क्रमांक 7 पुराने बस स्टैंड परिसर मैं किया गया तो वंही वार्ड क्रमांक 1 में लाल साय विश्वकर्मा, वार्ड क्रमांक 4 में अनिता मिश्रा, वार्ड क्रमांक ड्ढ0 में शशिकिरण खेस, वार्ड क्रमांक 13 में मन की बात कार्यक्रम की संयोजक शांति सिंह, वार्ड 14 में किशन देवांगन व राजु देवांगना के नेतृत्व में प्रधानमंत्री की मन कि बात सुना गया। इस दौरान कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री संदीप अग्रवाल, शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल, भाजयुमो शहर महामंत्री संस्कार अग्रवाल, प्रचार-प्रसार प्रमुख रंजन सोनी, मीडिया प्रभारी विकास साहू, विशाल ठाकुर, अमन तिवारी, विनीत तिवारी, राजा अंचल, खिजमत साहू, गोलू रजक सहित काफी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खदान का पानी पाइल लाइन बिछा तालाब में भरा जाएगा

कोरबा। गेवरा खदान से निकलने वाले पानी को गांव के तालाबों में भरने के लिए एसईसीएल के अधिकारी व संगठन पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रुप से निरीक्षण किया गया। एसईसीएल के अधिकारियों ने कहा कि जल्द कार्ययोजना तैयार कर पाइप लाइन बिछा कर पानी तालाब तक पहुंचाया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को निस्तार के निस्तार के लिए पानी का संकट न हो। साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड एसईसीएल की गेवरा खदान से निकलने वाले पानी को पाइप लाइन के माध्यम से छिंदपुर पंचायत अंतर्गत मुड़ियानार, छिंदपुर, उमेंदीभाठा के तालाबों में भराव करने के लिए ग्रामवासियों व उर्जाधानी भू विस्थापित किसान कल्याण समिति द्वारा प्रस्ताव रखा गया था। इसके लिए लगभग दो किलोमीटर लंबी पाइप लाइन बिछाने कहा गया था। शनिवार को एसईसीएल गेवरा क्षेत्र के अधिकारियों की टीम ने संगठन के पदाधिकारी व ग्राम वासियों के साथ सर्वे किया। संगठन के उपाध्यक्ष कुलदीप राठौर ने बताया कि यह एक जनहित का कार्य है, जिसे अविलंब शुरू किया जाएगा। सभी के सहयोग से यह कार्य जल्द ही पूरा होगा, इससे पंचायत के क्षेत्र में पानी की कोई समस्या नहीं रहेगी। सर्वे के दौरान एसईसीएल की ओर से सीबी सिंह और जी एस प्रसाद, संगठन की ओर से श्यामू जायसवाल, विजयपाल सिंह, रुद्रदास, संतोष महंत, जगदीश पटेल, दिलहरन दास, ग्रामीण देव सिंह राठौर, बहोरन लाल पाटले, रामायण राठौर, अनिल कैवर्त, शत्रुहन दास कोटवार, तेरस यादव आदि शामिल रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक का विकल्प बायोडिग्रेडेबल से बचेगा पर्यावरण

महापौर ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नही करने का किया अनुरोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम स्वच्छ भारत मिशन 2022 के तहत, बढ़ते सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग और उससे होने वाले बढ़ते बीजे प्रदूषण को रोकने के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल ने बायोडिग्रेडबल कैरी बैग्स की जानकारी देते हुए वितरण किया।

इस अवसर पर सभापति राजेश यादव, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी हमीद खोखर,एमआईसी प्रभारी मनदीप सिंह भाटिया,पार्षद श्रद्धा सोनी,एल्डरमेन रत्ना नारमदेव,जगमोहन ढीमर,हरीश साहू,सहायक स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, पीआईयू शेखर वर्मा के अलावा चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रहलाद रूंगटा,कैट के अध्यक्ष मोहम्मद अली हिरानी,उद्योग के अध्यक्ष संजय चौबे,छ. ग. चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष बहादुर अली थारानी व अमर कोटवानी,कैट के कोषा अध्यक्ष आशीष निमजे प्लास्टिक संघ के अध्यक्ष पवन झमानी व उपयोगकर्ताओं से जनसम्पर्क कर पोस्टर व बायोडिग्रेडबल कैरी बैग दे कर जागरूक किया गया।

निगम के द्वारा नोटिफ़िक्रेशन आम जनता को जागरूक करने के लिए दुकानों में स्टीकर चिपका कर प्रतिबंधित और उपयोग में आने वाली प्लास्टिक की जानकारी दी गई।स्वच्छ भारत मिशन 2022 के तहत इस प्रकार के जन जागरूकता अभियान से दुर्ग शहर की स्वच्छता रेंकिंग में सुधार होगा। पर्यावरण कार्यकर्ता लक्ष्मी शर्मा के द्वारा 25000 बायोडिग्रेडबल बैग वितरण के लिए निगम को निशुल्क उपलब्ध कराया गया। पर्यावरण कार्यकर्ता लक्ष्मी शर्मा पिछले 5 सालों से प्लास्टिक के विकल्प के लिए लोगों को जागरूक कर पर्यावरण के हित में कार्य कर रही है।बायोडिग्रेडबल कैरी बैग उपयोग करने के बाद खुले वातावरण में फ़ेंक दिये जाने पर 180 दिनों में पूर्णतया जैव विघटित हो कर मिट्टी में बदल जाता है।प्रश्न(1) बायोडिग्रेडबल क्या है?

कोई भी वस्तु जो खुले वातावरण में जैविक प्रक्रिया से मिट्टी खाद अथवा गैस में बदल जाता है।इस प्रक्रिया को बायोडिग्रेडेशन कहते है। जैसे पेड़ की पत्तियाँ, काग़ज़ ,अन्य बायो कचरा। बायोडिग्रेरेडबल कैरी बैग उपयोग करने के बाद खुले वातावरण में फ़ेंक दिये जाने पर 180 दिनों में पूर्णतया जैव विघटित हो कर मिट्टी में बदल जाता है।प्रश्न (2) बायोडिग्रेडबल से पर्यावरण कैसे बचेगा? बायोडिग्रेडबल का उपयोग कर,सिंगल यूज प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग को कम कर पर्यावरण को बचाया जा सकता है।प्रश्न(3)क्या बायोडिग्रेडबल महंगा होता है? जी नही,प्लास्टिक के मुकाबले यह एक सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल है। नॉन वोवन क्या है ? नॉन वोवन से बने झोले को सिंगल यूज प्लास्टिक की श्रेणी में रखा गया है। इस लिए छत्तीसगढ़ राज्य में नॉन वोवन से बने झोले को पूर्णतया बैन किया गया है। नॉन वोवन झोला सिंथेटिक फाइबर पॉलीप्रोपलीन पीपीई से बने होने के कारण पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 164.36 करोड़ से अधिक टीके प्रदान किये गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

नईदिल्ली(पीआईबी)। केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया गया था।

टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है।

इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नि:शुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नि:शुल्क प्रदान करेगी।

केंद्र सरकार द्वारा अब तक नि:शुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 164.36 करोड़ से अधिक खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं। अभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड-19 टीके की 12.43 करोड़ से अधिक अतिरिक्त और बिना इस्तेमाल हुई खुराकें उपलब्ध है, जिन्हें लगाया जाना है।

ग्रामीण क्षेत्र में मल्टी यूटीलिटी सेंटर से तय हो रही आजीविका

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के लिए आजिविका के संसाधन सुनिश्चित करने के लिए सरकार योजनाओं पर काम कर रही है। मल्टी युटीलिटी सेंटर इसका सबसे अच्छा माध्यम बने हुए है। अनेक समूहों को इसके साथ जोड़ा गया है और लोगों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का काम किया जा रहा है।

विकासखंड कोरबा के अंतर्गत ग्राम पंचायत पहंदा में कुल 5 हेक्टेयर के क्षेत्रफल में इन गतिविधियों को संपादित किया जा रहा है।

योजना के अंतर्गत बीते वर्षों में यहां रिक्त जमीन का चिन्हाकंन करने के साथ इस काम के लिए उपयोगी बनाया गया। वर्षों तक जिस जमीन पर कुछ नहीं हो रहा था, अब वहां अनेक गतिविधियां संचालित हो रही है। इसी के साथ लोगों को जीवनस्तर बेहतर करने के लिए दिशा दी गई है। गांव के गौठान परिसर में ढाई हेक्टेयर में मवेशियों के रख रखाव की व्यवस्था की गई है। चारा-पानी के साथ उनके संरक्षण का ख्याल किया जा रहा है। जबकि बाकी हिस्से में आजीविका प्रबंधन के अंतर्गत मल्टी युटीलिटी सेंटर चलाया जा रहा है। यहां के सरपंच धनसिंह कंवर ने बताया कि इस परिसर में मछली पालन, बटेर, खरगोश, बत्तख पालन के साथ दोना-पत्तल, अगरबत्ती समेत अनेक गतिविधियों को शामिल किया गया है। स्थानीय लोगों को इस काम से जोड़ा गया है। लोगों को व्यस्त होने के साथ आर्थिक जरूरत की पूर्ति काफी हद तक करने में सहायता मिली है। ऐसी गतिविधियों को और बेहतर करने के लिए काम किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई द्वारा सदस्यता मिशन 2022 का आगाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई द्वारा सदस्यता मिशन 2022 का आगाज किया है। इस अभियान में 2022 में पूरे एक वर्ष तक सदस्यता अभियान करके 1111 नए आजीवन सदस्य बनाये जाएंगे।

प्रदेश महामंत्री श्री अजय भसीन व भिलाई चेम्बर अध्यक्ष श्री गारगी शंकर मिश्रा के नेतृत्व में यह अभियान 26 जनवरी से प्रारंभ किया गया।

अजय भसीन ने बताया कि इस अभियान में 1111 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है।भिलाई जिला जिसमे कुम्हारी ,अहिवारा,बेरला,उतई,भिलाई

सेक्टर 1 से सेक्टर 10,हुडको ये पूरा एरिया समाहित है।

इन बाजारों के एक एक दुकानदार से संपर्क कर उन्हें सदस्यता दिलवाने का सार्थक प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान 26 जनवरी से 26 दिसम्बर 2022 तक प्रत्येक जोन में चलता रहेगा। गारगी शंकर मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान की शुरुवात 26 जनवरी से की गई।रिसाली में सदस्यता अभियान प्रारंभ कर प्रथम दिन 10 नए आजीवन सदस्य बनाये गए। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य चेम्बर की सदस्य संख्या बढ़ाकर व्यापारिक एकता को मजबूत करना है।

इस अभियान में महिला चेम्बर भिलाई व युवा चेम्बर भिलाई का विशेष सहयोग है। 26 जनवरी को रिसाली में चलाए गए अभियान मे मुख्य रूप से महामंत्री अजय भसीन के साथ महिला चेम्बर की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गीता वर्मा,राकेश मल्होत्रा,उत्तमचंद जैन, ,अनिल खन्ना,मनीष अग्रवाल,सतीश बाघमार,चित्रा रॉव,शैलेश बत्रा महिला चेम्बर अध्यक्ष भिलाई, सरोजनी पाणिग्रही, सुमन कानोजे, विजय लक्ष्मी शाह,पुष्पलता कर, सविता शर्मा, रश्मि वर्मा,सुनीता सोनी,आशीष कुशवाहा, रोशन धनवानी उपस्थित थे। शंकर सचदेव ने बताया कि यह अभियान कल भी रिसाली क्षेत्र में चलेगा। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना शंकर सचदेव ने दी।

उप पुलिस अधीक्षक अजीत ओगरे को कबीरधाम पुलिस ने दी नवीन पदस्थापन के लिए भावभिनी बिदाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। कबीरधाम पुलिस कप्तान डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे के मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले के रक्षित केंद्र में स्थित सभागार में आज रविवार 30 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे औपचारिक विदाई समारोह का आयोजन कर, उप. पुलिस अधीक्षक नक्सल अजीत ओगरे को कबीरधाम जिले के समस्त पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर विदाई दिया गया।उप. पुलिस अधीक्षक अजीत ओगरे का स्थानांतरण उप. पुलिस अधीक्षक नक्सल कबीरधाम से राजनांदगांव के मानपुर/ मोहला पुलिस अनुविभागीय अधिकारी के पद पर हुआ है। जिन्हें आज कबीरधाम पुलिस कप्तान डॉ लाल उमेद सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे, उप. पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती मोनिका सिंह परिहार, उप. पुलिस अधीक्षक नक्सल कौशल किशोर वासनिक, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोड़ला जगदीश उइके, उप. पुलिस अधीक्षक जय सिंह मरावी एवं जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारी तथा कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा स्थानांतरण पर जा रहे अधिकारी के कार्यों की जमकर सराहना की गई।

इस अक्सर कबीरधाम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियो ने भी अपने सम्बोधन मे कहा कि श्री ओगरे के द्वारा कबीरधाम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अपना अहम योगदान देते हुए जिले में नक्सलियों के इरादों को नाकामयाब कर वनांचल क्षेत्र वासियों का विश्वास हासिल कर अपनी एक अलग पहचान बना कर जिले के वनांचल क्षेत्रों में नक्सलियों को जमने का मौका ना देते हुए लगातार सर्चिंग कर जवानों का हौसला बढ़ाते हुए जिले में पहला एनकाउंटर भी किया गया जिसमें टीम को किसी भी प्रकार की हानि का सामना नहीं करना पड़ा और जवानों का हौसला बढ़ा। जिसके बाद लगातार नक्सलियों को खदेड़ने का कार्य करते हुए, पुलिस के अधिकारी जवानों में नक्सल को जड़ से समाप्त करने हेतु विभिन्न रणनीति बनाई गई तथा जवानों को सिखाया गया जिसका लाभ जिले को समय-समय पर प्राप्त हुआ और कई नक्सलियों का एनकाउंटर कर बॉडी तथा भारी मात्रा में नक्सली सामग्री असला बारूद आदि भी बरामद किया गया, साथ ही अपने बेहतर कार्य से पूरे जिले में बहुत ही कम समय में लोगों के दिलों में अपनी एक अलग जगह बनाकर विभिन्न वनांचल नक्सल प्रभावित ग्रामों तक पहुंच कर सामुदायिक पुलिसिंग के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल कूद का आयोजन करा लोगों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं का

स्वयंसेवकों ने परसाखोला में चलाया स्वच्छता अभियान

कोरबा। गवर्नमेंट पीजी कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने बुधवार को पिकनिक स्थल परसाखोला पहुंचकर लोगों द्वारा फैलाए गए कचरे को एकत्र कर उसे नष्ट किया। मनाने पहुंचे लोगों को कचरा न फैलाकर प्रकृति को नुकसान से बचाने व वहां के सौंदर्य को बनाए रखने का आह्वान किया।

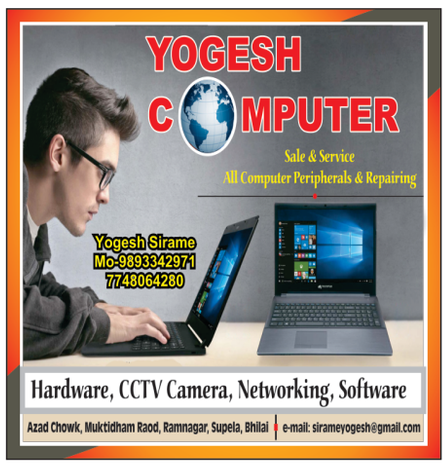

खास-खबर

इंस्टाग्राम फ्रेंड ने नाबालिग को सूने जगह पर मिलने बुलाकर पिटवाया

बिलासपुर (ए)। इंस्टाग्राम फ्रेंड ने सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र को सिरगिट्टी के सूने जगह पर मिलने के लिए बुलाया। वहां पहुंचते ही उसके दोस्तों ने नाबालिग की पिटाई कर दी। मारपीट से नाबालिग का पैर टूट गया है। इसकी शिकायत पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। कोटा में रहने वाला 13 साल का नाबालिग सातवीं कक्षा का छात्र है। दो तीन माह पहले इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती एक लड़की से हुई थी। दोनों इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ही बातें करते थे। लड़की ने नाबालिग को बर्थडे के बहाने से मिलने के लिए सिरगिट्टी स्थित महिंद्रा शो रूम के पीछे बुलाया। इस पर नाबालिग वहां पहुंच गया। वहां पहले से हाकी स्टीक लेकर खड़े एक युवक ने उसे देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। इसका विरोध करने पर युवक ने मारपीट करते हुए नाबालिग की बाइक तोड़ दी। मारपीट से नाबालिग का पैर टूट गया है। निजी अस्पताल में उपचार के बाद नाबालिग ने इसकी शिकायत सिरगिट्टी थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर हमलावर युवक की तलाश कर रही है। मारपीट के बीच नाबालिग ने एक युवक को पहचान लिया है। उसने पुलिस को आरोपित युवक की जानकारी दी है। इसके अलावा उसने अपने इंस्टाग्राम फ्रेंड के आईडी को भी बताया है। उसके फ्रेंड ने अपनी आईडी बंद कर दी है। पुलिस साइबर सेल के सहारे उसे बुलाने वालों की जानकारी जुटा रही है। इससे मारपीट करने वालों के संबंध में जानकारी मिल सकेगी। इसके अलावा घटनास्थल के भी सीसीटीवी फुटेज लिए गए हैं।

ड्राइ डे पर बिक रही थी शराब, 16 आरोपी पकड़ाए

बिलासपुर (ए)। ड्राइ डे पर सरकंडा, सिविल लाइन और सिरगिट्टी पुलिस ने अवैध शराब बेच रहे 16 आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से 32 लीटर महुआ और 562 पाव देसी शराब जब्त की गई है। आरोपित के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। सरकंडा थाना प्रभारी परिवेश तिवारी ने बताया कि रविवार की सुबह सूचना मिली कि दो युवक महुआ शराब लेकर मोपका की ओर आ रहे हैं। इस पर पुलिस की टीम ने मोपका तिराहे के पास घेराबंदी कर अमर साहू(22) निवासी कुम्हारपारा सकरी और आशीष लाल(19) आसमा सिटी सकरी को पकड़ लिया। अरोपित के कब्जे से 10 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। सिविल लाइन पुलिस ने नेहरू चौक के पास घेराबंदी कर मनोज लोनिया(30) निवासी स्टेशन पारा घुटकू को पकड़ लिया। आरोपित के कब्जे से 22 लीटर महुआ शराब जब्त की है। सिरगिट्टी पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में 13 लोगों को देसी शराब बेचते पकड़ा है। आरोपित के कब्जे से 562 पाव देसी शराब जब्त की गई है। आरोपित शत्रुहन कुर्रे निवासी घुरू थाना सकरी के कब्जे से 60 पाव देसी शराब जब्त किया गया। वहीं, मूरतलाल साहू निवासी तिफरा के कब्जे से 180 पाव देसी शराब मिली। दोनों के खिलाफ गैरजमानती धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। हरदी कलाटोना निवासी बहोरन के कब्जे से 102 पाव देसी शराब जब्त की गई है। इसके अलावा अन्य 10 के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

अरपा नदी में डूबने से टीचर-बेटे की मौत

पिकनिक मनाने नदी पार कर टापू पर जा रहे थे, गहराई में डूबे

बिलासपुर। बिलासपुर में रविवार दोपहर पिकनिक मनाने गए टीचर मां-बेटे की अरपा नदी में डूबने से मौत हो गई। शिक्षिका अपने पति, बहन-दामाद और बच्चों के साथ अरपा लोफंदी में निर्माणाधीन ब्रिज के पास गई थी। मां-बेटे नदी पार करते समय गहराई में समा कर डूब गए। उन्हें तैरना नहीं आता था। इस घटना के दौरान ही कुछ दूर में एक अन्य परिवार की महिला और बच्चे भी डूब गए थे। जिन्हें बचा लिया गया।

जानकारी के अनुसार जरहाभाठा निवासी अनिश मसीह जमीन खरीद-बिक्री का काम करते हैं। उनकी पत्नी स्मिता लाल जरहाभाठा के राजीव गांधी चौक स्थित नवीन प्राथमिक शाला में टीचर थीं। अनिश का साढ़ू भाई सौरभ लाल मार्क अस्पताल में काम करता है और साली पिंकी भी नर्स है। दोनों परिवार के बच्चों को लेकर सभी पिकनिक मनाने के लिए लोफंदी स्थित अरपा नदी में बन रहे पुल के पास गए थे।

पति अनिल और परिवार के अन्य सदस्य नदी पार कर बने टापू में बैठकर खाने की तैयारी कर रहे थे। घटना करीब 3.30 बजे की है। इधर पीछे-पीछे स्मिता और उनका बेटा आदेश अरव लाल (14) नदी पार कर टापू तरफ जा रहे थे। तभी दोनों अचानक गहराई में चले गए और डूबने लगे। उनके चिल्लाने की आवाज सुनकर अनिश उन्हें बचाने के लिए दौड़ा। लेकिन, तब तक स्मिता और उनका बेटा डूब गए थे। किसी तरह गहराई से उन्हें बाहर निकाला गया। लेकिन, तब तक मां-बेटे की मौत हो चुकी थी।

डूबते हुए मां-बेटे को पति ने बचाया

बताया जा रहा है कि इस घटना के दौरान ही प्रियंका कश्यप अपने पति और अन्य लोगों के साथ पिकनिक मनाने गई थी। जहां पर स्मिता लाल अपने बच्चे के साथ डूब रहीं थी। वहां से कुछ दूर पर प्रियंका अपने बच्चे को लेकर गई थी। अचानक गहराई आने से दोनों डूबने लगे। उनके चिल्लाने पर प्रियंका के पति वहां पहुंच गए और उन्हें पकड़कर बाहर निकाल लिया।

इस घटना के बाद स्मिता लाल और उनके बच्चे को गहराई से निकालने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ा। इस दौरान उनकी बहन पिंकी और परिवार के अन्य सदस्य भी पहुंच गए थे। उन्हें बाहर निकाला गया, तब परिजन बिलख-बिलख कर रोने लगे। मां-बेटे की मौत के बाद माहौल गमगीन हो गया।

घर का इकलौता चिराग था आवेश

इस हादसे के बाद सिम्स में भी परिजन के रो-रोकर बुरा हाल था। दरअसल, आवेश अरव परिवार का इकलौता और लाडला बेटा था। एक साथ मां-बेटे की मौत से घर के साथ ही मोहल्ले में भी मातम छा गया है। आवेश के बड़े पिता संदीप मसीह ने बताया कि इस घटना से उनका सब कुछ छीन गया है।

अवैध उत्खनन के चलते गई जान

बताया जा रहा है कि लोफंदी के जिस जगह पर मां-बेटे की मौत हुई है। वहां रेत माफिया अरपा नदी में अवैध उत्खनन करते हैं। बेतरतीब खुदाई के चलते अरपा नदी गहरी हो गई है और वहां बड़े-बड़े पत्थर भी इसके चलते उस घाट को पत्थर घाट भी कहा जाता है। आरोप है कि रेत माफियाओं के अवैध खुदाई के चलते ही मां-बेटे की जान चली गई।

युवक से चैटिंग के बाद रिलेशनशिप में रही युवती, अश्लील फोटो वायरल करने के बाद युवती ने दर्ज कराया केस

रायपुर (ए)। इंटरनेट मीडिया पर दोस्ती और फिर लिव इन रिलेशन के एक केस में ब्लेकमेलिंग और आपत्तिजनक फोटो वायरल करने का मामला सामने आया है। बिलासपुर की युवती ने गुजरात के बलदेव परमार मौर्या गांधीधाम निवासी के विरुद्ध रायपुर के गंज थाना में शिकायत दर्ज कराई है।

गुजरात से आकर चार दिन रायपुर में साथ रहा

पुलिस के अनुसार आरोपित बलदेव का इंस्ट्राग्राम में कोटा बिलासपुर में रहने वाली एक युवती से परिचय हुआ था। मैसेंजर में दोनों चेट करते हुए करीब आ गए। युवती से दोस्ती कर लेने के बाद आरोपित ने उसे लिव इन रिलेशन में रहने के लिए मना लिया। पहली बार रायपुर आकर बलदेव ने सबसे पहले वीआइपी रोड स्थित एक होटल में युवती को बुलाया। चार दिनों तक यहीं साथ में रहे। इसके बाद आरोपित वापस लौट गया। कुछ समय बाद युवती को बलदेव के पहले से शादीशुदा होने और उसका बच्चा होने के बारे में पता चला।

इसके बाद युवती संबंध रखना छोड़ दिया। इसके बाद भी बलदेव लगातार फोन में संपर्क करने लगा। बलदेव ने कुछ दिनों बाद युवती की बहन को फोन लगाकर उसके पास अश्लील फोटो होने की जानकारी दी। वहीं युवती का कहना है कि दूसरी बार बलदेव के आने के बाद दोनों स्टेशन रोड स्थित एक होटल में ठहरे थे। इस दौरान बलदेव ने अश्लील फोटो खींच लिया।

इसके बाद बहन को फोन लगाकर अपने पास फोटो होने की जानकारी दी। युवती ने बताया, बलदेव ने बदनाम कर देने की धमकी देते हुए कुछ फोटो इंटरनेट मीडिया में भी वायरल कर दी। इस मामले में पुलिस ने आरोपित बलदेव मौर्या के खिलाफ अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है।

स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट

4 लड़कियों को ओडिशा, बिहार और बंगाल से बुलवाया गया, कारोबारियों के बेटे भी पकड़े गए

रायपुर (ए)। रायपुर की पुलिस ने एक स्पा में रविवार की रात छापा मारा। पुलिस के पास इनपुट पहुंचा था कि स्पा की आड़ में यहां सेक्स रैकेट ऑपरेट किया जा रहा है। टीम के पहुंचते ही स्पा में मौजूद लड़कियां और लड़के हड़बड़ा गए। ये छापा सरस्वती नगर थाने की टीम ने मारा था। स्पा से 7 लड़कियों को पकड़ा गया। यहां दो युवक भी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। इन सभी के खिलाफ पीटा एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जिस स्पा में पुलिस ने दबिश दी वो रायपुर के पॉश इलाके चौबे कॉलोनी में हैं। शहर के इस हिस्से में कई अरबपति कारोबारी रहते हैं। जिस्मफरोशी के धंधे के इस मामले में तार शाइन आर्केड स्पा से जुड़े हैं। इस स्पा को चलाने वाली भी एक महिला ही है। पुलिस ने इस महिला को भी पकड़ा है। यहां तीन लड़कियां छत्तीसगढ़ की और 1-1 बिहार, बंगाल और 2 लड़कियां ओडिशा की मिली हैं। हाल ही में इन्हें बुलवाया गया था।

कारोबारी परिवार के युवक पकड़े गए

रायपुर के कोटा के रहने वाले तुषार अग्रवाल (24), गुढ़ियारी के रहने वाले विवेक अग्रवाल (29) को स्पा से पकड़ा गया है। दोनों ही युवकों का परिवार रायपुर में व्यावसायिक परिवार है। पुलिस इस मामले में इनके शामिल होने पर जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक ये लड़कियों के ग्राहक थे अक्सर इस स्पा में इनका आना-जाना लगा रहता था। इस केस में गिरफ्तार युवक युवतियों से पुलिस इस सेक्स रैकेट के बारे में पूछताछ कर रही है।

बीमारी का बहाना बनाकर मकान मालिक से 2 लाख के गहने लेकर भागा, दंपती गिरफ्तार

कवर्धा (ए)। कवर्धा में एक शातिर दंपती ने अपनी ही मकान मालिक महिला से 2 लाख रुपए से ज्यादा के गहने ठग लिए। आरोपी पति-पत्नी कुछ दिन पहले किराये पर रहने के लिए पहुंचे। फिर बातों में मकान मालिक महिला को फंसा लिया। इसके बाद बीमारी का बहना बनाया और गहने लेकर भाग निकले। महिला की शिकायत पर पुलिस ने भी तत्परता दिखाई और चंद घंटों बाद ही पति-पत्नी को दूसरा शिकार बनाते ही धर दबोचा।

जानकारी के मुताबिक, लोहार के राजमहल चौक निवासी अन्नू शुक्ला पत्नी नंद कुमार शुक्ला के मकान में कुछ दिन पहले पति-पत्नी किराये पर रहने के लिए पहुंचे। उन्होंने अपना नाम कृष्ण कुमार लोधी, पत्नी का नाम जोगासन बाई और पता राजनांदगांव के खैरागढ़ में खतराई का बताया। पति-पत्नी दोनों बहुत अच्छे से रहे और मकान मालिक से भी अच्छी-अच्छी बातें करते। कुछ समय में ही दोनों ने उनका भरोसा जीत लिया।

जमीन बेचकर रकम लौटाने का दिया झांसा

आरोप है कि इसके बाद दंपती ने मकान मालिकिन अन्नू शुक्ला से बीमार होने का बहाना बनाया। झांसा दिया कि इलाज के लिए अभी रकम दे दें, बाद में गांव की जमीन बेचकर लौटा देंगे। उनकी बातों में आकर अन्नू शुक्ला ने आरोपियों को करीब डेढ़ तोले का सोने का हार, करीब साढ़े आठ ग्राम सोने का झुमका, चांदी की पायल, चांदी का करधन मशरूका, 53000 रुपए सहित 2.03 लाख के गहने दे दिए। इसके बाद आरोपी सभी सामान लेकर भाग निकले।

कई अन्य लोगों को भी ऐसे ही ठगी का बनाया शिकार

कई दिनों तक जब आरोपी दंपती का कुछ पता नहीं चला और संपर्क नहीं हुआ तो रविवार को अन्नू पुलिस के पास पहुंची। पुलिस ने जांच शुरू की। तभी पता चला कि ग्राम छोटूपारा में एक दंपती किराये के मकान की तलाश कर रहे हैं। उनका हुलिया भी आरोपियों से मिलता है। इस पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को घूमते हुए पकड़ लिया। उनके पास से गहने बरामद हुए हैं। यह भी सामने आया है कि दंपती ने अन्य जगह भी ऐसी ठगी की है। उसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है।

खास - खबर

शहीदों की स्मृति में भिलाई निगम के अधिकारी-कर्मचारियों ने किया मौन धारण

भिलाई। भारत के स्तंत्रता संग्राम में अपने प्राणो की आहुति देने वाले शहीदो की स्मृति में भिलाई निगम के अधिकारी-कर्मचारियों ने 2 मिनट का मौन धारण किया। निगम के मुख्य कार्यालय में निगम के अधिकारी-कर्मचारियों जो महत्वपूर्ण कार्यो से निगम में अपने कार्यालयीन कार्यो से अवकाश के दिन भी उपस्थित हुये थे, सभी ने समय प्रात: 11 बजे के 1 मिनट पूर्व उपस्थित होकर 2 मिनट का मौन धारण किये। स्वच्छता कर्मचारी जो सफाई की जिम्मेदारी सम्हालने प्रत्येक दिन फिल्ड में तैनात होकर कार्य करते है आज उन्होंने भी अपने कार्य पर उपस्थित रहकर शहीदो की स्मृति में मौन धारण किया। ऐसे ही निगम भिलाई के सभी अनुविभाग के कर्मचारियों ने यथास्थिति 11:00 बजे मौन धारण किया। इस दौरान कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुये मास्क और सोशल डिस्टेंस सभी ने बरकरार रखा। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने इस संबंध में सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देश जारी किये थे।

पीएम मोदी के प्रेरक बातों को सुनने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आमजन भी हुए शामिल

दुर्ग। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कि मन की बात कार्यक्रम से आम जनता को जोड़ने आज भाजपा द्वारा जिले से लेकर शहर के सभी वार्डो मे आयोजन कर प्रधानमंत्री मोदी जी का संबोधन सुना गया भाजपा के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार इस बार से पार्टी ने इस कार्यक्रम में आमजन को जोड़ने गांवों से लेकर शहर तक प्रधान मंत्री जी कि मन की बात कार्यक्रम आयोजन करने का निर्देश दिए थे जिसके तहत शहर के 60 वार्डो में कार्यकर्ताओ ने आमजन के साथ सुबह 11.30बजे से मोदी जी प्रेरक बातो को सुना जिसमे मुख्य रूप से पुलगांव वार्ड 55 मे प्रदेश भाजपा मंत्री उषा टावरी व पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर जिला महामंत्री ललित चंद्राकर उपाध्यक्ष संतोष सोनी कांतिलाल जैन ने अपने वार्डो में तथा राजीव नगर में जिला भाजपा मंत्री व पूर्व सभापति दिनेश देवांगन, शहर के चारो मंडलों में मंडल अध्यक्षगण शेखर चंद्राकर, लुकेश बघेल,दीपक चोपड़ा,सतीश समर्थ सहित सभी पदाधिकारियों ने अपने वार्ड के कार्यक्रम में शामिल होकर प्रधानमंत्री जी कि प्रेरणादायक बातो को सुना। इस संबन्ध में मन की बात कार्यक्रम प्रभारी व जिला भाजपा मंत्री दिनेश देवांगन ने बताया कि पीएम मोदी जी की मन बात कार्यक्रम देखने अब हरेक माह के अंतिम रविवार को शहर के सभी वार्डो में कार्यक्रम आयोजित होगी और शहर ही नही गांवों में भी यह आयोजन कर जनता को प्रधानमंत्री जी की प्रेरक बातो से आमजन को अवगत कराएंगे और इसके लिए सभी वार्डो में कार्यक्रम प्रभारियों कि नियुक्ति की गई है जो प्रतिमाह अंतिम रविवार को यह कार्यक्रम आयोजित करेंगे जिसके तहत आज 85वी कड़ी से इसकी शुरवात की गई जिसमे अनेक वार्डो मे भाजपा पार्षदों तथा संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने कई स्थानों पर सार्वजनिक रूप से बड़ी एलसीडी टीवी स्क्रीन के माध्यम से सामूहिक आयोजन कर प्रधानमंत्री जी के मन की बात को गौर से सुना और उनके द्वारा बताए देशदुनिया की ज्ञानवर्धक बातो से अवगत हुए ।

नगर विक्रय समिति एलवीसी टीवीसी का बैठक आयुक्त व राजस्व प्रभारी ने ली

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा समिति एलवीसी ञ्झङ्कष्ट की बैठक आयुक्त हरेश मंडावी एवं बाजार व राजस्व विभाग प्रभारी ऋषभ जैन, सुश्री श्रद्धा सोनी,शंकर ठाकुर, बिजेन्द्र भारद्वाज,आशीष यादव यातायात पुलिस, महेन्द्र दुग्गड़ चेम्बर ऑफ कामर्स मीडिया प्रभारी प्रकाश गोलछा,चेम्बर ऑफ कामर्स महामंत्री पवन चेयरमैन चेम्बर ऑफ कामर्स अशोक राठी चेम्बर ऑफकामर्स प्रदेश महामंत्री, जावेद अली स्वास्थ विभाग थान सिंह बाजार विभाग मुक्तेश कान्हें प्रबंधक एनयूएलएम दुर्ग मनीष त्रिपाठी प्रबंधक एनयूएलएम उपस्थित रहे। बैठक हेतु ऐजेण्डा निम्नानुसार है:वेंडिंग जोन निर्धारण पर चर्चा नो वेंडिंग जोन निर्धारण पर चर्चा।प्रतिबंधित वेंडिंग जोन निर्धारण पर चर्चा।वेंडरों को विक्रय प्रमाण पत्र वितरण पर चर्चा।प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की प्रगति पर चर्चा,वेंडर्स मार्केट डेव्हलपमेंट निर्माण पर चर्चा 7. कमेटी / अध्यक्ष द्वारा अन्य संबंधित विषय पर चर्चा।वेंडिंग जोन:- वेंडिंग जोन निर्धारण पर चर्चा करते हुए समिति सदस्यों ने शहर के विभिन्न स्थानों पर वेंडिंग जोन बनाने का निर्णय लिया जिसमें. पुलगांव गोकुल नगर बघेरा स्कूल के पास ,उरला आईएचएसडीपी कातुलबोर्ड बाईपास बोरसी हॉट बाजार, बैगापारा मिनी स्टेडियम को सर्वसम्मति से वेंडिंग जोन बनाने का निर्णय लिया गया। विभिन्न स्थानों पर नोन वेंडिंग जोन बनाने का निर्णय लिया जिससे यातायात सुचारू ढंग से हो सके। तथा वेंडर्स को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। शहर के विभिन्न स्थानों पर नोन वेंडिंग जोन का निर्धारण कलेक्ट्रेट परिसर 2. जिला न्यायालय,जिला पंचायत कार्यालय,रेलवे स्टेशन,नगर निगम कार्यालय व जिला अस्पताल,को नोन वेंडिंग जोन बनाने का निर्णय सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से लिया।

आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर कार्यक्रम का आयोजन

आजादी के सही अर्थ को जन जन तक पहुंचायें - ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के विशाल सभागार में आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर के मुख्य अतिथि गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, ब्रह्माकुमारी रीटा बहन एवं अन्य सभी अतिथियों द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में अपने उद्बोधन में ताम्रध्वज साहू ने कहा कि एक समय था जब भारत विश्व गुरु था , सारे विश्व का नेतृत्व भारत करता था । लेकिन समय के साथ परिवर्तन हुआ और भारत 200 वर्षों तक अंग्रेजों का गुलाम रहा ।

15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ जिसका 75 वर्ष पूर्ण हो रहा है ! जिसे हम आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं । मैं धार्मिक, सामाजिक और गैर सरकारी संस्थाओं से आह्वान करता हूं कि वह आगे आए और अमृत महोत्सव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाए । उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों खासकर महात्मा गांधी का राम राज्य का सपना था । राम राज्य के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जहां कोई प्रकार का दु:ख ना हो, अशिक्षा ना हो, कोई गरीब ना हो , सबको स्वास्थ्य, शिक्षा, समानता और सम्मान प्राप्त हो।

श्री साहू ने कहा कि आज लोग आजादी का गलत अर्थ निकालते हैं ! जिसके कारण अनेक प्रकार की घटनाएं हमारे आसपास हो रहे हैं ! चोरी, बलत्कार, लड़ाई झगड़े आदि । अब हम सब का कर्तव्य है कि आजादी के सही अर्थ को जन जन तक पहुंचाये ! हर देशवासियों को अधिकार के साथ-साथ कर्तव्यों का बोध कराये ।उन्होंने ब्रह्माकुमारीज द्वारा वर्ष भर होने वाले विभिन्न आयोजनों की सराहना किया !

कार्यक्रम में दुर्ग विधायक अरुण वोरा ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारत को स्वर्णिम बनाने के लिए हमें श्रेष्ठ कर्म करना होगा । यही प्रेरणा इस संस्था में आने पर मिलता है । महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि को याद करते हुए , उन्होंने कहा कि गांधी जी ने ग्राम स्वराज की बात कही थी । शासन प्रशासन को गांव के स्तर पर पहुंचाना होगा तभी निचले हिस्से तक विकास पहुंचेगा । जब गांव गांव का विकास होगा तब ही भारत देश सही मायने में तरक्की करेगा । आज हमें गांधीजी के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लेना होगा । भारत ने इन 75 वर्षों में जो विकास किया है इसमें कई प्रधानमंत्रियों ने बहुमूल्य योगदान दिया है ! उन्होंने विशेष रूप से जवाहरलाल नेहरू , इंदिरा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री, राजीव गांधी, नरसिम्हा राव और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को याद किया ।

विशेष अतिथि के रुप में पधारे धीरज बाकलीवाल महापौर दुर्ग ने कहा आनंद सरोवर परिसर में कदम रखते ही अद्भुत शांति की अनुभूति होती है ! ऐसा लगता है जैसे स्वर्ग में आ गए ! यहां का वातावरण बहुत ही अलौकिक है।

बेटी के जन्मदिन पर 101 यूनिट रक्तदान कर बनाया यादगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। तृपेश शर्मा ने अपनी पुत्री तनिषी के जन्मदिन के अवसर पर पर 101 यूनिट रक्तदान करवा बेटी के जन्मदिन को यादगार बनाया व् समाज को सकारात्मक सन्देश दिया कोरोना की तीसरी लहर व कोविड-19 की विषय परिस्थितियों के दौरान रक्तदान करने वालों की संख्या 50 तक की कमी आई है।

सिकलिंग, थैलेसिमिया पीड़ित बच्चों को ब्लड की नियमित आवश्यकता एवं इलाज के दौरान हीमोग्लोबिन की कमी होने से रक्त का अभाव न हो इसी उद्देश्य से सेवाभवी श्री तृपेश शर्मा की इकलौती पुत्री कु. तनीषी शर्मा परी के 10 वां जन्मदिवस 25 जनवरी 2022 को दुर्ग जिला ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ।

रक्तदान शिविर में प्रात: 09:00 बजे से ही रक्तदाताओं का रक्तदान करने ब्लड बैंक पर आना प्रारंभ हो गया जो कि शाम 06:00 बजे तक कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर में रक्तदान होता रहा। रक्तदान शिविर में समर्पित परिश्रमी सामाजिक समिति दिशा स्वास्थ्य विभाग व सेव इंडियन फैमली, नवदृष्टि फांऊन्डेशयन दुर्ग, हमर बाजार टीम एवं दुर्ग-भिलाई के रक्तदाताओं ने रक्तदान कर कुल 101 यूनिट रक्तदान किया। नवदृष्टि फउंडेशन के कुलवंत भाटिया ने जानकारी दी इस शिविर में हमारी संस्था की ओर से अंचल में सर्वाधिक 109 बार रक्तदान कर चुके राज आढ़तिया व आशीर्वाद ब्लड बैंक के संचालक विकास जायसवाल के साथ अन्य सदस्यों ने रक्तदान किया व संस्था के सदस्य मौजूद रहे । शिविर में डॉ. गंभीर सिंह ठाकुर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला दुर्ग, डॉ. पी. बॉल किशोर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकि दुर्ग, डॉ. मेश्राम जिला स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग, डॉ. सी.बी.एस. बंजारे जिला मलेरिया अधिकारी दुर्ग, डॉ. अनिल शुक्ला कुष्ठ एड्स व कोविड नोडल अधिकारी दुर्ग, अभय, राकेश गोलछा, नागेश मोदी, शेखर ताम्रकार उपस्थित रहें।

महात्मा गांधी की पुण्य तिथि

कांग्रेस ने गौठान मे गौ सेवा, श्रमदान कर दी बापू को श्रध्दांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 74वी पुण्यतिथि के अवसर पर भिलाई गौठान में गौ सेवा व श्रमदान कर बापू की प्रतिमा में माल्यार्पण कर नमन व श्रद्धांजलि दे कर सुश्री नीता लोधी ने कहा कि बापू ने देश की आज़ादी और गरीबों, वंचितों के उत्थान के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया था, उन्होंने जो मार्ग दिखाया था वो मानवजाति के लिए सदैव प्रासंगिक रहेंगे।

वे सच्चे संत थे जिन्होंने आजीवन लोगों को सेवा, सत्य और अहिंसा, शांति व स्वावलंबन के मार्ग पर चलना सिखाया। बापू आपके मार्ग पर चलते हम सब सामाजिक न्याय, लोकतंत्र व संविधान की रक्षा के लिए संघर्षरत रहेंगे नीता लोधी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी की सरकार गांधी जी के बताए मार्ग पर चलते हुए जनभावना के अनुरूप बेहतर काम कर रही है।

वर्धा ग्राम की तर्ज पर नवा रायपुर में राज्य सरकार द्वारा आश्रम निर्माण होना है। इस आश्रम के बनने से नई पीढ़ी को गांधी जी के विचारों से रुबरु होने का अवसर मिलेगा।सेवाएं देने जी राजू, मन्नान गफ्फार खान पार्षद, अरविंद राय, संदीप द्विवेदी,उमर खान,मोहनीश गुप्ता,अरूण राय, कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

शहीदों की स्मृति में निगम परिसर में अधिकारी व कर्मचारियों ने मौन धारण किया

दुर्ग। नगर पालिक निगम/भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर आज 30 जनवरी को शहीद दिवस पर पूर्वान्ह 11 बजे से 2 मिनट का मौन धारण कर निगम अधिकारी व कर्मचारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान कार्यपालन अभियंता मोहनपुरी गोस्वामी,आरके पांडेय,जितेंद्र समैया, सहायक अभियंता आरके पालिया,प्रकाश चंद थावनी, करण यादव, नोडल अधिकारी जावेद अली, अनिल सिंह,रवि राव, सिद्धार्थ शर्मा,राजू सिंह,गोरी शंकर तिवारी समेत अन्य ने इस संबंध सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिशा निर्देश को अमल करते हुए आज 30 जनवरी को पूर्वान्ह 11 बजे देश भर में 2 मिनट का मौन रखा गया और कार्य तथा अन्य गतिविधियों को रोक दिया।

चरोदा में हुई अंधे कत्ल का पुलिस ने किया खुलासा

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को उतारा था मौत के घाट, देनदारी से बचने रची थी साजिश, हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई-3 थाना क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी चरोदा में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया था। पुलिस ने आज 25 जनवरी को हुई अंधे कत्ल का खुलासा एक पत्रकार वार्ता में कर दिया है। देनदारी की रकम से छुटकारा पाने पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति के हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने आरोपी प्रेमी धीरज कश्यप पिता स्व. छेदीलाल (40 वर्ष) निवासी पंचशील नगर चरोदा और मृतक सुनील शर्मा की पत्नी रानी शर्मा (35 वर्ष) निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी चरोदा को गिरफ्तार कर लिया है।

एक पत्रकार वार्ता में एएसपी शहर संजय कुमार ध्रुव ने बताया कि 25 जनवरी को थाने पर सूचना प्राप्त हुई की हाउसिंग बोर्ड चरोदा नंबर 559 निवासी सुनील शर्मा रक्तरंजित अपने घर पर ही कमरे में पड़ा हुआ है । जिसे परिजनों द्वारा 108 एम्बुलेन्स के माध्यम से शासकीय अस्पताल दुर्ग भेजा गया है कि सूचना पर थाना प्रभारी पुरानी भिलाई के द्वारा सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा कर का मय स्टाफ घटना स्थल पहुंचने पर परिजनों के द्वारा बताया गया कि सुनील शर्मा रात्रि में भोजन कर के अपने कमरे में सोया हुआ था बगल कमरे में उसकी पत्नि रानी शर्मा अपनी दो पुत्रियों के साथ सोई हुई थीउसका कमरा बाहर से बंद था ।

मृतक की पत्नी के फोन करने पर उसकी मां मृतक के पर आई तो देखी कि आंगन एवं सामने कमरे का दरवाजा खुला हुआ है और उसके दामाद सुनील शर्मा रक्त रंजित अवस्था में अपने कमरे में पड़ा हुआ था जिसकी सूचना रिस्तेदारों को देने पर इलाज हेतु जिला अस्पताल दुर्ग ले जाया गया है कि तभी परिजनों के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि सुनील शर्मा को जिला अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया है तथा शव को शासकीय अस्पताल सुपेला के मरच्युरी में रखा गया है ।जांच कार्यवाही उपरांत मृतक के भतीजे अनिल शर्मा पिता शिव शर्मा , निवासी नेहरू चौक चरोदा बस्ती की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप क्रमांक 28/2022 धारा 302 , 450 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया ।

उक्त सनसनीखेज घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते हुये वरिष्ठ पुलिस कप्तान बद्रीनारायण मीणा के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर संजय कुमार ध्रुव , नगर पुलिस अधीक्षक पुरानी भिलाई विश्वास चन्द्राकर की आवश्यक दिशा निर्देश देते हुये अज्ञात आरोपियों की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तारी हेतु एक विशेष टीम गठित की गई टीम द्वारा घटना स्थल के आसपास के आवागमन के रास्तों पर लगे सीसीटीवी फूटेज एकत्रित कर सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया संदेहियों के मोबाईल नम्बर प्राप्त कर उनका तकनीकी विश्लेषण किया गया ।

आसपास के क्षेत्रों में पतासाजी हेतु विशेष सूत्र लगाये गये संदिग्धों पर विशेष निगाह रखी जा रही थी इसी दौरान विशेष सूत्रों के माध्यम से पता चला कि मृतक की पत्नी रानी शर्मा का प्रेम संबंध धीरज कश्यप निवासी पंचशील नगर के साथ है जिसका रानी शर्मा के घर आना जाना एवं काफी घनिष्ठता भी है, सूचना पर संदिग्धों के संबंध में तकनीकी जानकारी जुटा कर तस्दीक किया गया जिससे सूचना की पुष्टि भी हुई।

संदेही धीरज कश्यप के संबंध में पतासाजी करने पर पता चला की वह कोविड पॉजिटिव हो जाने से ईलाज हेतु चंदुलाल चन्द्राकर मेमोरियल हास्पीटल चंदखुरी में भर्ती है जिस पर गोपनीय रूप से निगाह रखी जा रही थी ।

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के उपरान्त संदेही धीरज कश्यप को हिरासत में लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के आग दर्शन में सूक्ष्मता से तथ्यात्मक रूप से सततघग पृछताछ करने के परिणाम स्वरूप संदेही धीरज कश्यप के द्वारा मृतक सुनील शर्मा की पत्नि रानी शर्मा से प्रेम संबंध स्वीकार करते हुये घटना के संबंध में बताया कि रानी शर्मा के साथ मिलकर किसी संदीप नाम के युवक से नौकरी लगाने के नाम पर रकम लिये थे जो कि अपने रकम की वापसी के लिये बार बार परेशान कर रहा था और थाने में रिपोर्ट करने की धमकी भी दे रहा था ।

मोहलत मांगने पर 25 जनवरी 2022 तक संदीप के द्वारा मोहलत भी दिया गया था, जिसके बाद संदीप के द्वारा थाना पुरानी भिलाई में रिपोर्ट कर दुंगा, कह कर बोला था । इसी दरम्यान धीरज एवं रानी के द्वारा भारतीय एक्सा एवं लाईफ इन्शुरेन्स से लोन लेकर संदीप का रकम वापस करने का प्रयास भी किया जा रहा था किन्तु लोन स्वीकृत नहीं हो रहा था और दोनों अपने बीच से मृतक सुनील शर्मा को हटाना भी चाहते थे जिससे दोनों ने मिलकर योजना बनाई कि यदि सुनील की हत्या कर देते हैं तो रकम वापसी के लिए पति की मृत्यु का बहाना बनाकर मोहलत लिया जा सकता है ।

वैक्सीनेशन मोटिवेशन-1 दिन में 42000 को कॉलिंग, 9800 लोगों का हुआ वेरिफिकेशन, मिला त्वरित सर्टिफिकेट

आयुक्त प्रकाश सर्वे स्वयं कर रहे मॉनिटरिंग, छूटे हुए लोगों का कांटेक्ट ट्रेसिंग कर वैक्सीनेट कराने टीम कर रही मेहनत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई, । निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर बचे हुए लोगों को वैक्सिनेट करने का काम किया जा रहा है। कोविड-19 से बचाव के लिए शत प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को साधने के लिए भिलाई निगम महापौर नीरज पाल के नेतृत्व में लगातार प्रयास किया जा रहा है। वैक्सीनेशन महाअभियान छेड़कर एक दिन में 10 हजार की संख्या में टीकाकरण किया गया था, वहीं डोर टू डोर वैक्सीनेशन के माध्यम से छुटे हुए हितग्राहियों को वैक्सीनेट करने का काम निगम प्रशासन ने किया है।

किसी भी स्तर से छूटे हुए लोगों के टीकाकरण को लेकर निगम नित्य नए प्रयास कर रही है। टीकाकरण के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में रोजाना कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। पार्षद एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी इस कार्य में अपना सहयोग दे रहे हैं। टीकाकरण केंद्रों में कोविशील्ड एवं को- वैक्सीन के प्रथम एवं द्वितीय डोज की व्यवस्था भी है, इसी के साथ ही बूस्टर डोज पर भी पूरा फोकस निगम कर रही है। टीकाकरण को लेकर नोडल अधिकारी की नियुक्ति भी निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने कर दी है। नोडल अधिकारी एवं उपायुक्त सुनील अग्रहरि टीकाकरण के लिए कर्मचारियों से फीडबैक ले रहे है।

फीडबैक के आधार पर लक्ष्य को साधने की रणनीति तैयार कर इस पर काम किया जा रहा है।

एक ही दिन में 42000 लोगों को कॉलिंग, 9800 को मिला त्वरित सर्टिफिकेट वैक्सीनेशन के लिए बचे हुए लोगों को टीकाकरण करवाने के लिए आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी एवं उपायुक्त सुनील अग्रहरी ने कार्य योजना बनाई है और ऐसे हितग्राहियों के नाम और मोबाइल नंबर की सूची उपलब्ध कराई है। इन्हें टीका लगवाने के लिए कर्मचारियों की बैठक आहूत की गई और बैठक के अनुरूप दूसरे दिन से काम प्रारंभ हो गया। 40 से 50 कर्मचारियों को कांटेक्ट ट्रेसिंग, वेरिफिक्रेशन करने, सर्टिफिकेशन प्रदान करने के सहायता के लिए तथा लोगों को मोटिवेशन करने के लिए लगाया गया है। टीम का कोआर्डिनेशन सहायक परियोजना अधिकारी फणींद्र बोस, अहमद हुसैन, गुलशन रेडी, अखिलेश कुमार, वीरेंद्र बम भोले एवं पलाश पंचभाई कर रहे हैं। वहीं रविवार को भी अवकाश के दिन टीम के सरिता साहू, माधुरी कुमारी, पलक तारक, जमुना गुड्डा, नाहिद, सोनम राजबाहर, संगीता खैरवार, सलमा खातून, सलोनी पांडे, आशीष सोनी, दिनेश कुमार यादव, निजामुद्दीन, आस्था शर्मा, कमल कांत एवं रोशन कुमार कांटेक्ट ट्रेसिंग के लिए जुटे रहे। टीकाकरण के लिए एक ही दिन में 42000 लोगों से संपर्क कर उनसे बात की गई है। जिनमें से 9800 लोगों का वेरिफिकेशन कर उन्हे प्रमाण पत्र दिलवाया गया। यही नहीं निगम सभी छूटे हुए लोगों को नजदीकी टीकाकरण केंद्र का स्थल बताकर उन्हें टीकाकरण लगवाने प्रेरित कर रहे हैं, परिणाम स्वरूप टीकाकरण केंद्रों की तरफ लोग रुख कर रहे हैं और टीकाकरण करवा रहे हैं। इसके बाद फीडबैक भी लिया जाएगा कि उन्होंने टीकाकरण करवाया है या नहीं। टीकाकरण में किसी प्रकार की दिक्कतें तो नहीं आ रही है इस संबंध में जानकारी ली जाएगी। इस अनुरूप समस्याओं का समाधान कर पुन:उन्हें टीकाकरण करने सहायता की जाएगी और टीका लगवाया जाएगा।

शुष्क दिवस रिसाली में मांस विक्रय, निगम ने लगाया 4500 रूपए का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। स्वछता सर्वेक्षण के टास्क को पूरा करने रिसाली नगर पालिक निगम के आयुक्त आशीष कुमार देवांगन ने रविवार को बैठक ली। आयुक्त ने कहा कि प्रदेश और देश मे स्थान बनाने स्वयं को साबित करना होगा। वैसे भी इस बार श्री स्टार रैंकिंग की जगह फाइव स्टार रैंक के लिए वे सब मैदान है।

आयुक्त ने विभाग वार जिम्मेदारी दी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी सूरत मे रिसाली निगम पिछड़े न इस बात का विशेष ध्यान दे। आयुक्त आशीष ने कहा कि अपना स्थान बनाने वही काम को हट कर करना होगा।

जिससे रिजल्ट भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि रूटीन में होने वाली सफाई के साथ कई तरह से अवरनेश प्रोग्राम चलाए। लोग जागरूक होंगे तो कई चीजें बेहत्तर होगी। उन्होंने नागरिकों को भी स्वछता सर्वेक्षण से जोड़ने कहा। बैठक में कार्यपालन अभियन्ता सुसील बाबर, सहायक अभियंता आर के जैन, सब इंजीनियर अखिलेश गुप्ता, हिमांशु कावड़े, डिगेश्वरी चन्द्राकर, उमयन्ती ठाकुर, गोपाल सिन्हा , स्वास्थ्य विभाग प्रभारी जगरनाथ कुशवाहा , स्वक्षता निरीक्षक बृजेन्द्र परिहार राजस्व विभाग के संजय वर्मा शामिल थे।सुपरवाइजर तत्काल करे रिपोटिंग आयुक्त ने अधिकारियों की बैठक लेने के बाद जन स्वास्थ्य विभाग के सुपरवाइजरों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि वे शिकायतों का त्वरित निराकरण करे। पार्षद या सब इंजीनियर के टास्क को हर हाल में उसी दिन पूरा करे। टास्क पूरा होने पर जनस्वास्थ्य अधिकारी को रिपोर्टिंग करे।जुर्माना भी वसूले

बैठक में अधिकारियों को कहा गया कि गन्दगी फैलाने या फिर कचरा खुले स्थान पर खासकर सड़क किनारे गोबर फेकने वालो के साथ सख्ती से निपटे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950